केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो भारतीय बस्ती दैनिक वेब www.bhartiyabasti.com और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क-bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक
भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9336715406
8400925463

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :49 अंक 114 सोमवार 16 नवम्बर 2026 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

ट्रक की टक्कर से बाइक सवार महिला की मौत



–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । कप्तानगंज थाना क्षेत्र में रविवार दोपहर ट्रक की टक्कर से बाइक सवार अफसाना बानो (38) की मौत हो गई। हादसा कप्तानगंज–पंडौल घाट मार्ग पर मदनपुरा के पास हुआ। सीएचसी कप्तानगंज में डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया।

दुबौलिया थाना क्षेत्र के गोकुलपुर निवासी अफसाना बानो, जब्बार की पत्नी थीं। वह रविवार को बाइक से दुबौलिया की ओर से कप्तानगंज आ रही थीं। मदनपुरा के पास ट्रक की चपेट में आने से वह सड़क पर गिरकर घायल हो गईं। स्थानीय लोगों ने उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कप्तानगंज पहुंचाया। डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया।

पुलिस ने परिजनों को सूचना दी और शव को कब्जे में लेकर कार्रवाई शुरू की। अफसाना बानो के दो बेटे और एक बेटी हैं। बेटी सबा बानो (14), बेटे साहिबान अंसारी (12) और मोहम्मद समीर (10) हैं।

पशु पालक के प्रयास से चोरी गई गाय बरामद

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। चोरी कर पशु बाजार में गाय को बेचने ले जाते समय पशुपालक ने उनकी गाड़ी को रोक लिया। गाड़ी पर सवार चोर पशु को छोड़कर फरार हो गए। पीड़ित की सूचना पर पुलिस ने गाड़ी व चोरी की गाय को अपने कब्जे में लिया। गौर थाने के सांडी गांव निवासी प्रेम कुमार पुत्र श्रीराम की गाय शनिवार रात चोरी हो गई। उसे चोर एक पिकअप पर लादकर फरार हो गए। सुबह जब प्रेम कुमार ने गाय को घर पर नहीं देखा तो खोजबीन शुरू की। काफी प्रयास के बाद भी कोई जानकारी नहीं मिली। इसके बाद उन्होंने स्थानीय पशु व्यापारियों से संपर्क किया।

उन्हें पता चला कि अयोध्या के जुबेरगंज में पशु बाजार लगने वाला है।इसी दौरान सुबह कुछ लोगों ने छावनी थानाक्षेत्र के आसपास पिकअप पर लदी गाय को देखा। लोगों ने वाहन को रुकने का इशारा किया तो पिकअप सवार दो लोग वाहन छोड़कर फरार हो गए। पिकअप चालक का कहना है कि उसे केवल भाड़े से मतलब था। उसकी गाड़ी लोगों ने किराये पर लेकर गाय लादा था। सूचना पर पहुंची पुलिस ने गाय और पिकअप को कब्जे में ले लिया। फिलहाल पुलिस पिकअप चालक से पूछताछ कर रही है। मोबाइल फोन के जरिए फरार आरोपियों की पहचान व तलाश में जुटी है।

सिलेंडर लीक होने से लगी आग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। छावनी थानाक्षेत्र के अमोढ़ा इलाके के कुआंगांव में रविवार को सुबह खाना बनाते समय गैस सिलेंडर के रेगुलेटर से गैस लीक हुई और आग लग गई। यह घटना कुआंगांव निवासी अजय प्रजापति पुत्र भवानी प्रसाद प्रजापति के घर हुई। आग से नकदी सहित, दो कुंतल गेहूं, पांच कुंतल धान, मोबाइल फोन, बक्सा, कपड़े, बिस्तर, बर्तन तथा गृहस्थी के सामान जलकर राख हो गया। आग बुझाने पहुंचे गांव के बृद्ध ई प्रसाद का हाथ और चेहरा झुलस गया। सूचना पर पहुंची छावनी पुलिस तथा फायर ब्रिगेड की गाड़ी ने आग पर घंटे भर मशक्कत के बाद काबू पाया। पीड़ित अजय प्रजापति ने बताया कि गृहस्थी के समान सहित सब कुछ जलकर बर्बाद हो गया है।

25 लाख टैबलेट वितरण अभियान शुरू: एक लाख से अधिक युवाओं को नियुक्ति पत्र देगी योगी सरकार

लखनऊ (आभा)। युवाओं को डिजिटल रूप से सशक्त बनाने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को लखनऊ में स्वामी विवेकानंद युवा सशक्तीकरण योजना के तहत 25 लाख टैबलेट वितरण अभियान का शुभारंभ किया। इस दौरान सीएम योगी ने यूपी के 50 हजार से ज्यादा छात्र–छात्राओं और प्रशिक्षणार्थियों को टैबलेट वितरित किए।

मुख्यमंत्री ने बताया कि इन टैबलेट में इन्फोसिस के सहयोग से 18 हजार से अधिक पाठ्यक्रमों की निशुल्क अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराई गई है। योग से लेकर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और डीप टेक जैसे आधुनिक विषयों की पढ़ाई के साथ युवाओं को केंद्र और प्रदेश सरकार की योजनाओं की जानकारी भी मिलेगी। साथ ही सीएम योगी ने घोषणा करते हुए कहा, 26 जनवरी तक एक लाख से अधिक युवाओं को यूपी सरकार नियुक्ति पत्र देने की तैयारी कर रही है।

सीएम योगी ने बताया कि टैबलेट में युवा साथी ऐप के माध्यम से



युवाओं को केंद्र और प्रदेश सरकार की योजनाओं की जानकारी मिलेगी। इसमें छात्रवृत्ति, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, पीएम इंटर्नशिप, सीएम इंटर्नशिप, सीएम युवा और पीएम मुद्रा योजना जैसी योजनाएं उपलब्ध हैं। इन्फोसिस के सहयोग से 18 हजार से अधिक निशुल्क पाठ्यक्रम भी दिए गए हैं। युवा अपनी रुचि के अनुसार योग, गणित, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डीप टेक और अन्य विषयों का अध्ययन कर सकते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश प्रतिवर्ष दो लाख से अधिक विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित (एसटीईएम) के स्नातक तैयार कर रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार हर जिले में सरदार वल्लभभाई पटेल इकोनॉमिक एंड इंडस्ट्रियल जोन स्थापित करने जा रही है। बुंदेलखंड में 56 हजार एकड़ में औद्योगिक शहर विकसित किया जाएगा। देश में बनने वाले मोबाइल फोन में 55 प्रतिशत का निर्माण उत्तर प्रदेश में हो रहा है, जबकि इलेक्ट्रॉनिक कंपोनेंट की 60 प्रतिशत मैन्युफैक्चरिंग प्रदेश में हो रही है। 2017 से पहले प्रदेश में केवल 120 स्टार्टअप थे, आज इनकी संख्या 25 हजार से अधिक हो गई है। सीएम युवा योजना के तहत ब्याजमुक्त और गारंटीमुक्त ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है, ताकि युवा नौकरी मांगने वाले नहीं, बल्कि नौकरी देने वाले बनें।

मुख्यमंत्री ने युवाओं से अपील की कि जो भी युवा एक जनवरी 2027 को 18 वर्ष की आयु पूरी कर रहे हैं, वे अपना नाम मतदाता सूची में जरूर दर्ज कराएं। उन्होंने कहा कि मतदाता बनना लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत करने का अभियान है। किसी अपात्र व्यक्ति का मतदाता बनना किसी पात्र व्यक्ति के अधिकार को छीनने का प्रयास है। युवाओं को अपने संवैधानिक अधिकार और जिम्मेदारी दोनों समझनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में अब रूल ऑफ माफिया नहीं, बल्कि रूल ऑफ लॉ है। सुरक्षा, निवेश, उद्योग और रोजगार के अवसरों का विस्तार ही युवाओं के सशक्तीकरण का आधार है। युवाओं के हाथ में दिया गया टैबलेट इसी बदलाव को आगे बढ़ाने का माध्यम बनेगा।

अमिताभ बच्चन के घर फायरिंग करने की योजना बनाने के आरोप में दो शॉर्पशूटर्स गिरफ्तार

नई दिल्ली / मुम्बई (आभा)। अमिताभ बच्चन के घर फायरिंग करने की प्लानिंग के आरोप में दिल्ली पुलिस ने दो शॉर्पशूटर्स को अरेस्ट किया है। इनमें जालंधर का रहने वाला विकास ठाकुर और तरनतारन का निवासी दीपक सिंह शामिल हैं। दोनों विदेश में बैठे एक गैंगस्टर के लिए काम करते हैं। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, गैंगस्टर 1984 के सिख दंगों पर अमिताभ के कथित बयान को लेकर उन्हें निशाना बनाना चाहता था। हालांकि, अमिताभ ने ऐसा कोई बयान देने से इनकार किया है।

पुलिस के मुताबिक, विकास दिल्ली के एक कारोबारी पर रंगदारी के लिए फायरिंग करने आया था। वहीं, दीपक 3 अक्टूबर को अमृतसर में इंस्टाग्राम इन्फ्लुएंसर मैड संधू की हत्या के मामले में वांटेड था।



दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने मुंबई पुलिस की मदद से दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया है। दीपक सिंह अमृतसर में 3 अक्टूबर को हुई इंस्टाग्राम इन्फ्लुएंसर मैड संधू की हत्या के मामले में वांटेड था। इस मामले में उसके साथ शामिल पलविंदर सिंह उर्फ काका को पंजाब पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। पुलिस पूछताछ में पता चला कि दीपक को मुंबई में ज्यादा समय तक रुकने के लिए कहा गया था। उसे अमिताभ बच्चन के घर के बाहर फायरिंग करनी थी।

पुलिस के मुताबिक, गैंगस्टर 1984 के सिख विरोधी दंगों पर अमिताभ के कथित बयान को लेकर उन्हें निशाना बनाना चाहता था। हालांकि, अमिताभ ने ऐसा कोई बयान देने से इनकार किया है। दिल्ली पुलिस के डिप्टी कमिश्नर नारा चैतन्य के मुताबिक, विकास ठाकुर जालंधर के न्यू गांधी नगर का रहने वाला है। उसे मुंबई से दिल्ली भेजा गया था। यहां उसे एक कारोबारी से रंगदारी मांगने के लिए उसके ऊपर फायरिंग करनी थी। इस हमले में दीपक सिंह को भी शामिल होना था, लेकिन पुलिस ने वारदात से पहले ही विकास को गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद मुंबई में कार्रवाई कर दीपक को भी पकड़ लिया। कुछ सिख संगठनों और 1984 के दंगों की गवाह जगदीश कौर ने आरोप लगाया था कि 31 अक्टूबर 1984 को तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या के बाद दिल्ली के एम्स अस्पताल के बाहर अमिताभ बच्चन ने भीड़ को उकसाया था।

छठ महापर्व पर अस्ताचलगामी सूर्य देव को व्रती महिलाओं ने दिया अर्घ्य: उमड़ी आस्था



–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। लोक आस्था के महापर्व छठ के अवसर पर रविवार को अस्ताचलगामी सूर्य देव को व्रती महिलाओं ने अर्घ्य दिया। कुआनों के अमहट घाट, निर्मली कुण्ड, बनकटी से लेकर जनपद के अनेक पवित्र नदियों, तालाबों पर भुवन भाष्कर को अर्घ्य देकर सुखद जीवन की कामना की गई। कुआनों तट पर आस्था भारी पड़ी। सोमवार को उगते हुये सूर्य को अर्घ्य देने के साथ व्रत पूर्ण होगा। इस लोकपर्व के विभिन्न अवसरों पर प्रसाद बनाते, खरना के समय, अर्घ्य देने जाते, अर्घ्य दान करते समय और घाट से घर लौटते समय के लिए अलग–अलग भक्ति–भाव से परिपूर्ण लोकगीत गाए जाते हैं। भाव प्रधान इन गीतों को सुनकर बरबस ही आध्यात्मिक ऊर्जा का एहसास होता है।

साथी महिलाओं के संग घाट पर आई व्रती महिलाओं ने घाट पर पहले स्नान किया और फिर पानी में खड़े होकर डूबते सूर्य को अर्घ्य देकर संतान सुख की कामना की। सिंघाड़ा, नारियल, फलों के साथ ही सूप, कच्ची हल्दी, मूली व गन्ना समेत पूजन सामग्री को मिट्टी की बनी सुशोभिता पर चढ़ाया और विधि विधान से पूजन कर छठी मइया के गीत गाए।

केरवा फरेला घवद से ओहे पे सुगा मंडराय..., देवी मइया सुन लो अरजिया हमार और कांचहि बांस की बहंगिया... जैसे छठ गीतों से माहौल छठ मइया की भक्ति से सराबोर हो उठा। अमहट घाट और निर्मली कुण्ड सहित अनेक स्थानों पर छठी माई के गीतों से वातावरण सुवासित और गुलजार हो उठा है। कहीं शारदा सिन्हा की आवाज रस बरसा रही है कि 'मोर जिया जाएला महंगा मुंगेर' तो कहीं देवी के सुर कानों में पर्व की महिमा बखान कर रही है कि' कांच ही बांस के बहंगिया, बहंगी लचकत जाए'... केलवा जे फरेला घवद से, ओह पर सुगा मेडराय, आदित लिहो मोर अरगिया,, दरस देखाव ए दीनानाथ,, उगी है सुरुजदेव., हे छठी मइया तोहर महिमा अपार.,काच ही बास के बहंगिया बहंगी लचकत जाय. आदि छठ गीतों की धूम है। इस पावन पर्व के गीतों में भी इतनी आस्था है कि गीत बजते ही लोगों का सिर श्रद्धा से झुक जाता है। शहर से गांव तक अनेक ताल पोखरों में हजारों की संख्या में व्रती और श्रद्धालुओं ने डूबते सूर्य का अर्घ्य दिया।

छठ महापर्व को लेकर शहर के अमहट घाट, निर्मली कुण्ड पर घाट पर युवतियां छठ पूजा की रील बनाती नजर आईं। कोई पूजा की पारंपरिक विधियों को कैमरे में कैद कर रही थी तो कोई अलग–अलग एंगल से वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर साझा करने की तैयारी में जुटी थी। रील बनाने को लेकर युवतियों में खासा उत्साह दिखा। इस दौरान युवतियां पूरे विधि–विधान से छठी मइया की पूजा करती हुई वीडियो बनाती रहीं। पूजा के लिए सजाए गए सूप में केला, सेब, संतरा सहित विभिन्न फल और अन्य पूजन सामग्री रखी गई थी। कोई सूप लेकर घाट की सीढ़ियों पर खड़ी होकर वीडियो बनवा रही थी तो कोई पूजा की सामग्री और घाट की सजावट को अपने कैमरे में उतार रही थी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोमती नदी के तट पर दिया सूर्य को अर्घ्य

लखनऊ (आभा)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार की शाम को छठ के मौके पर लखनऊ के लक्ष्मण मेला मैदान स्थित गोमती नदी के तट पर सूर्य को अर्घ्य दिया। इससे पहले सीएम योगी ने विपक्षी दलों पर तीखा प्रहार किया। उन्होंने कहा, जिन लोगों का अपना जीवन ही पाखंड से भरा है, उन्हें दुर्गा पूजा और कावड़ यात्रा में पाखंड दिखाई देता है और वे छठ महापर्व में भेदभाव ढूंढते हैं। ऐसे लोग समाज और संस्कृति के दुश्मन हैं, जो भारत की सनातन परंपरा को कोसना अपना जन्मसिद्ध अधिकार समझते हैं। मुख्यमंत्री ने घाट पर डूबते हुए सूर्य को अर्घ्य अर्पित कर प्रदेशवासियों की सुख समृद्धि की कामना की और देश दुनिया तक छठ के गीत पहुंचाने वाली स्वर कोकिला पद्म विभूषण स्वर्गीय शारदा सिन्हा को भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

छठ पूजा का नियम–संयम बरतने वाले लोगों ने शनिवार को पूरे दिन



उपवास रखा।आज यानी रविवार शाम, षष्ठी को जल और दूध से सूर्यदेव को अर्घ्य दिया जाएगा। व्रती महिलाएं छठी मैया के गीत गाएंगी। गंगा और वरुणा तटों से लेकर नगर के प्रमुख कुंडों–सरोवरों के किनारे डूबते सूर्य को अर्घ्य देने आस्थावान व्रतियों का सैलाब उमड़ेगा। हालांकि इस साल भी गंगा घाटों पर पर्याप्त स्थान नहीं होने के कारण बहुत से लोग अपने घर की छत या घर के आसपास घाट बना कर सूर्य नारायण की आराधना किया।

छठ पूजा के अवसर पर यूपी के सात जिलों में सार्वजनिक छुट्टी की घोषणा की गई है। इस दौरान सरकारी ऑफिस से लेकर स्कूल–कॉलेज सब बंद रहेंगे। यह आदेश डीएम द्वारा स्थानीय स्तर पर जारी किया गया है। आदेश के मुताबिक छठ पर्व को देखते हुए 16 नवंबर सोमवार को सभी स्कूल–कॉलेज और सरकारी दफ्तरों को बंद रखा जाएगा। जिन जिलों में सार्वजनिक छुट्टी की घोषणा की गई है उनमें कानपुर, वाराणसी, गोरखपुर, गाजीपुर, कुशीनगर, महाराजगंज और संतकबीरनगर शामिल हैं।

भाजपा को दलित ही दलेगा, पीडीए का डी दमदार है– अखिलेश

आगरा (आभा)। सपा मुखिया अखिलेश यादव ने पश्चिमी यूपी से चुनावी शंखनाद कर दिया है। आगरा में आयोजित दलित सम्मेलन में अखिलेश ने अपने भाषण की शुरुआत गृहमंत्री अमित शाह पर तंज कसते हुए की। शाह के अंगद के पैर वाले बयान पर अखिलेश ने कहा, जब जमीन की नहीं बचेगी तो पैर कहां रखोगे। 2027 में भाजपा की जमीन खिसकने वाली है। दलित सम्मेलन को संबोधित कर रहे सपा मुखिया अखिलेश यादव ने पीडीए के डी को उनकी ताकत का एहसास कराया। उन्होंने कहा, 2027 में दलित ही भाजपा को दलेगा। भाजपा की विदाई अब दलित ही करेगा। पीडीए का जो दलित है, वह दमदार हो गया है। अखिलेश यादव ने इशारों ही इशारों में ओवैसी और चंद्रशेखर की पार्टी को ही लपेट दिया। उन्होंने कहा, जो भाजपा के साथ हैं वह दलित समाज के खिलाफ हैं।

अखिलेश यादव ने कहा, 2027 में दलित समाज भाजपा का सफाया करने जा रहा है। पीडीए ने जब से भाजपा को हराया है, वो तमाम तरह की षड़यंत्र और साजिश कर रहे हैं। अखिलेश यादव ने यूपी में दलितों पर हुए अत्याचार का जिक्र करते हुए कहा, भाजपा उनके साथ 10 साल से भेदभाव कर रही है। मैंने कई बार आंकड़े दिए हैं। सरकार को हम लोगों ने जानकारी दी है। कुछ दिन पहले प्रेस के सामने हम लोगों



ने इस बात को कहा था, जब से भाजपा की सरकार आई है, तब से दलित समाज का उत्पीड़न और अन्याय हो रहा है। एनसीआरबी के आंकड़े बताते हैं सबसे ज्यादा यूपी में दलितों पर अन्याय हुआ है।

अलग–अलग जगहों पर क्षतिग्रस्त की गई आंबेडकर की मूर्तियों का जिक्र करते हुए अखिलेश ने भाजपा पर हमला बोला। कहा, इन लोगों ने बाबा साहब की प्रतिमा भी तोड़ने का काम किया है। पिछले 10 साल में हमने ऑडिट कर जानकारी की तो पता चला कि 200 से ज्यादा प्रतिमा तोड़ी गईं। इन लोगों ने कार्रवाई नहीं की। इस मामले में एक कितना छपवाकर हम लोगों ने जानकारी दी है कि कहां–कहां घटनाएं हुई हैं। अखिलेश ने कहा, जो बाबा साहब की प्रतिमा तोड़ने का काम करते हैं, वो केवल प्रतिमा नहीं तोड़ते, वह सबसे पहले बाबा साहब के हाथ में संविधान की जो किताब है, उस हाथ पर हमला कर रहे हैं। उन्होंने कहा, संविधान है तो सम्मान है। सीएम योगी पर निशाना साधते हुए अखिलेश यादव ने कहा, जो बड़ी–बड़ी बातें करते हैं, वह हमदर्दी तो रख सकते हैं, लेकिन उन्होंने कभी अपमान महसूस नहीं किया होगा। जो अपमान महसूस करता है वह जानता होगा कि किस तरह का व्यवहार समाज में महसूस करना पड़ता है। वो भूल गए हैं, उन लोगों का घर भी कभी गंगाजल से नहीं धुलवाया गया है। जहां, पीड़ा, उत्पीड़न है, वहां हमारा पीडीए है। जो पीड़ित होगा उसके साथ पीडीए है। जिसने तिरस्कार अपमान झेला है वह जानता है कि हमें किन परिस्थितियों से गुजरना पड़ता है। जो लोग कह रहे हैं कि 80–20 की लड़ाई है। योगी वही हो सकता है जो 100 प्रतिशत के बारे में सोचे। जो 80–20 की बात करे वह कभी योगी नहीं हो सकता।

मथौली पोखरे पर गाजे बाजे के साथ अस्ताचलगामी सूर्य को व्रती महिलाओं ने दिया अर्घ्य

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बनकटी (बस्ती) । आस्था के महापर्व छठ मईया की पूजा और भगवान भास्कर के अस्ताचलगामी स्वरूप को बनकटी क्षेत्र की सैकड़ों व्रती महिलाओं ने अपने अपने क्षेत्र के तालाबों व पोखरों पर एकत्र होकर अर्घ्य दिया । भाजपा नेता इं. अरविंद पाल द्वारा चंद्रनगर वार्ड मथौली पोखरे पर आयोजित छठ पूजा में पहुंचे भाजपा जिलाध्यक्ष विवेकानंद मिश्र व पूर्व जिलाध्यक्ष व प्रदेश कार्य समिति सदस्य पवन कसौधन,अजय सिंह गौतम,विश्व हिंदू परिषद के जिलाध्यक्ष गोपेश पाल, ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि रामायण रघुनाथ सिंह, ब्लाक प्रमुख अभिषेक कुमार, अजय सिंह गौतम आदि आरती में शामिल हुए ।

रविवार को बनकटी नगर पंचायत के चन्द्रनगर,गांधीनगर,अम्बेडकर नगर,कृष्णा नगर व शंकरनगर तथा पटेलनगर वार्डों के छठ घाटों पर मेले जैसा माहौल रहा,जहाँ व्रती महिलाओं की भारी भीड़ रही । विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी चंद्रनगर वार्ड (मथौली) स्थित पोखरे पर नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि व वरिष्ठ भाजपा नेता इं. अरविन्द पाल द्वारा छठ पर्व आयोजित किया गया । जहां सैकड़ों श्रद्धालुओं की मौजूदगी



–आस्था के पर्व से जुड़ी है लोक मंगल की भावना– इं. अरविन्द पाल

में छठ पर्व को बड़े ही धूमधाम से मनाया गया । सुरक्षा व्यवस्था के दृष्टिगत लालगंज पुलिस टीम के साथ छठघाटों का भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया । मथौली छठघाट पर बना सेल्फी प्वाइंट आकर्षण का केंद्र रहा, जहां शाम करीब 6 बजे मथौली छठघाट पर पहुंचे भाजपा जिलाध्यक्ष ने सेल्फी लेकर छठघाट पर बने सेल्फी प्वाइंट व आयोजन की खूब सराहना की । मथौली घाट पर डूबते सूर्य को अर्घ्य देने क्षेत्र के बनकटी,सजहरा, देईसांड़,जोगियां, कोइलपुरवा, टिकवाजोत,धुसनाखोर, बसौढ़ी, दतुआखोर व फैलवा सहित दर्जनों गांव से गाजे बाजे के साथ आई सैकड़ो व्रती महिलाओं ने डूबते सूर्य को अर्घ्य दिया ।

इस अवसर पर विवेकानंद शुक्ल,रविचन्द्र पाण्डेय,सत्येन्द्र सिंह भोलू, लाल सिंह,बीना पाल,डॉ.अरुणा पाल,सर्वेश,रमेश अग्रहरी,मोहम्मद वसीम,सुभाष शर्मा,रमेश अग्रहरी,बाबूराम चौधरी,अतुल पाल,दिनेश चौधरी,राधेश्याम पाण्डेय,अमरेश पाल, आशुतोष शुक्ल,साधू शरण,परमात्मा यादव,शशि गोंड़, अनिल पाल, सहित तमाम लोग मौजूद रहे ।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 16 नवम्बर 2026 सोमवार

सम्पादकीय

छोटे कारोबार पर संकट

लोकतांत्रिक व्यवस्था में किसी भी सरकार की सबसे बड़ी परीक्षा केवल आर्थिक विकास दर बढ़ाने की नहीं होती, बल्कि यह सुनिश्चित करने की होती है कि विकास का लाभ समाज के सभी वर्गों तक संतुलित रूप से पहुंचे। निर्धन परिवारों को बुनियादी सुविधाओं की सुरक्षा चाहिए, उद्योगों को निवेश और विस्तार के अवसर चाहिए, जबकि मध्य वर्ग और छोटे कारोबारी स्थिर आय, कम लागत और भविष्य की आर्थिक सुरक्षा की अपेक्षा रखते हैं। सफल आर्थिक नीति वही मानी जाएगी, जो इन विभिन्न आवश्यकताओं के बीच संतुलन स्थापित कर सके।

भारत में आर्थिक बहस अक्सर गरीबों के कल्याण और उद्योगों के प्रोत्साहन के इर्द–गिर्द केंद्रित रहती है। यह स्वाभाविक भी है, क्योंकि किसी भी लोकतंत्र में कमजोर वर्गों की सहायता और निवेश को बढ़ावा देना सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारियों में शामिल है। मगर इस विमर्श में मध्य वर्ग और छोटे कारोबारियों की स्थिति कई बार अपेक्षित गंभीरता से चर्चा का विषय नहीं बन पाती। जबकि यही वह वर्ग है जो कर भुगतान, उपभोग, रोजगार सृजन और बचत के माध्यम से अर्थव्यवस्था की रीढ़ का काम करता है। मध्य वर्ग का जीवन निरंतर संतुलन साधने का प्रयास है। महीने की आय आने के साथ ही उसका बड़ा हिस्सा मकान की किस्त या किराए, बच्चों की पढ़ाई, बिजली–पानी, परिवहन, स्वास्थ्य और रोजमर्रा की जरूरतों में खर्च हो जाता है। नौकरीपेशा वर्ग प्रत्यक्ष कर चुकाता है और उपभोग के दौरान अप्रत्यक्ष करों का भार भी वहन करता है। इन सबके बाद बचत के लिए सीमित संसाधन ही बचते हैं। ऐसे में महंगाई या किसी अप्रत्याशित संकट का असर इस वर्ग पर अपेक्षाकृत तेजी से पड़ता है।

छोटे कारोबारी की स्थिति भी कम चुनौतीपूर्ण नहीं है। किसी दुकान, प्रतिष्ठान या छोटे उद्यम की कुल बिक्री को उसकी वास्तविक आय नहीं माना जा सकता। किराया, कर्मचारियों का वेतन, माल की खरीद, बिजली, परिवहन और अन्य परिचालन खर्च निकालने के बाद ही वास्तविक लाभ सामने आता है। प्रतिस्पर्धा बढ़ने, कर्ज महंगा होने या मांग घटने की स्थिति में छोटे व्यापारियों के लिए कारोबार चलाना कठिन हो सकता है। पिछले दो दशकों की आर्थिक यात्रा को देखें, तो विभिन्न दौरों में अलग–अलग प्रकार की उपलब्धियां और चुनौतियां दिखाई देती हैं। 2004 से 2014 के बीच के वर्षों में कई बार महंगाई ने घरेलू बजट पर दबाव डाला। खाद्य पदार्थों और ईंधन की कीमतों में वृद्धि ने आम उपभोक्ताओं को प्रभावित किया। दूसरी ओर, कारोबारियों को बहुस्तरीय कर व्यवस्थाओं और जटिल प्रशासनिक प्रक्रियाओं से जूझना पड़ता था।

2014 के बाद आर्थिक ढांचे में कई परिवर्तन हुए। डिजिटल भुगतान का विस्तार हुआ, आधारभूत ढांचे के विकास पर बल बढ़ा, बैंकिंग सेवाओं तक पहुंच का दायरा विस्तृत हुआ और प्रशासन में तकनीक के उपयोग को प्रोत्साहन मिला। वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) के माध्यम से विभिन्न अप्रत्यक्ष करों को एकीकृत करने का प्रयास किया गया। इन कदमों ने आर्थिक गतिविधियों में पारदर्शिता और औपचारिकता को बढ़ावा दिया। हालांकि यह भी सत्य है कि इन परिवर्तनों के प्रभाव सभी क्षेत्रों और सभी कारोबारियों पर समान रूप से नहीं पड़े।

विशेष रूप से छोटे व्यापारियों के लिए नई व्यवस्था कई नई जिम्मेदारियां भी लेकर आई। ऑनलाइन आयकर रिटर्न, डिजिटल लेखांकन और अनुपालन संबंधी प्रक्रियाएं बड़े संगठित कारोबारों की तुलना में छोटे उद्यमों के लिए अधिक चुनौतीपूर्ण साबित हो सकती हैं। बड़ी कंपनियां विशेषज्ञों की मदद लेने में सक्षम होती हैं, जबकि छोटा कारोबारी अक्सर स्वयं ही खरीद–बिक्री से लेकर लेखा–जोखा तक संभालता है। या फिर इस काम के लिए उसे वैध तरीके से काम करने वाले किसी पेशेवर की मदद लेनी पड़ सकती है, जिसके लिए उसे अतिरिक्त खर्च का भार वहन करना होगा। इसलिए आर्थिक सुधारों के साथ–साथ प्रक्रियात्मक सरलता भी उतनी ही महत्त्वपूर्ण है।उद्योगों को प्रोत्साहन देने की नीति को व्यापक आर्थिक दृष्टि से देखा जाना चाहिए। निवेश बढ़ेगा तो उत्पादन, रोजगार और राजस्व सृजन के अवसर भी बढ़ेंगे। मगर इस प्रक्रिया में यह सुनिश्चित करना भी आवश्यक है कि छोटे और मध्यम उद्यम प्रतिस्पर्धा में पीछे न छूट जाएं। सस्ती ऋण सुविधा, समय पर भुगतान, नियामकीय सरलता और तकनीकी सहायता जैसे उपाय छोटे कारोबारियों को मजबूत बनाने में अहम भूमिका निभा सकते हैं।

मध्य वर्ग की चिंताएं केवल कर भार तक सीमित नहीं हैं। वास्तविक प्रश्न यह है कि आय और कर भुगतान के बाद परिवार के पास कितनी आर्थिक सुरक्षा बचती है। आज शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों में निजी खर्च लगातार बढ़ रहा है। अनेक परिवार बच्चों की बेहतर शिक्षा के लिए निजी संस्थानों का सहारा लेते हैं। इसी प्रकार, गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता न होने पर निजी अस्पतालों का विकल्प चुनना पड़ता है। परिणामस्वरूप आय का बड़ा हिस्सा आवश्यक सेवाओं पर खर्च हो जाता है।

निस्संदेह सरकारें शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, सुरक्षा और सामाजिक कल्याण कार्यक्रमों पर व्यापक निवेश करती हैं। गरीब और वंचित वर्गों को खाद्यान्न, आवास तथा अन्य सहायता योजनाओं के माध्यम से सुरक्षा प्रदान करना राज्य की अनिवार्य जिम्मेदारी है। मगर इसके साथ यह पक्ष भी प्रासंगिक है कि सार्वजनिक सेवाओं की गुणवत्ता इतनी सुदृढ़ हो कि नागरिकों को बुनियादी जरूरतों के लिए अत्यधिक निजी व्यय न करना पड़े।

आर्थिक नीति का उद्देश्य केवल राजस्व संग्रह या विकास दर बढ़ाना नहीं होना चाहिए। उसका अंतिम लक्ष्य नागरिकों की जीवन–गुणवत्ता में सुधार होना चाहिए। अगर आय बढ़ने के बावजूद परिवार की बचत नहीं बढ़ रही, शिक्षा और स्वास्थ्य का खर्च लगातार घरेलू बजट पर दबाव बना रहा है, या छोटे कारोबारियों के लिए व्यवसाय चलाना अधिक कठिन हो रहा है, तो नीति–निर्माताओं को इन संकेतों पर गंभीरता से विचार करना होगा।

आर्थिक विकास की वास्तविक कसौटी यही है कि सामान्य नागरिक स्वयं को कितना सुरक्षित और सक्षम महसूस करता है। गरीबों को राहत, उद्योगों को प्रोत्साहन और मध्य वर्ग को आर्थिक स्थिरता प्रदान करना परस्पर विरोधी लक्ष्य नहीं हैं। बल्कि इन्हीं तीन स्तंभों के बीच संतुलन स्थापित करके एक मजबूत, समावेशी और टिकाऊ अर्थव्यवस्था का निर्माण किया जा सकता है। मध्य वर्ग और छोटे कारोबारियों की चुनौतियों को समझना किसी राजनीतिक बहस का विषय नहीं, बल्कि देश की आर्थिक सेहत का अनिवार्य प्रश्न है। यही वह वर्ग है जो कर चुकाता है, रोजगार देता है, उपभोग बढ़ाता है और भविष्य के लिए बचत करता है। इसलिए इसकी आर्थिक क्षमता को मजबूत बनाए रखना राष्ट्रीय प्राथमिकता होनी चाहिए।

आखिर क्यों बेपटरी हुई माइक्रोसॉफ्ट की सेवाएं?

—कमलेश पाण्डेय—

अमेरिकी सॉफ्टवेयर कंपनी माइक्रोसॉफ्ट की सेवाओं में व्यवधान केवल किसी एक कंपनी की तकनीकी समस्या नहीं है, बल्कि यह दुनिया की डिजिटल अर्थव्यवस्था की उस निर्भरता को भी उजागर करता है, जिसमें बैंकिंग, सरकारी कामकाज, विमानन, कारोबार, शिक्षा और संचार जैसी अनेक गतिविधियां कुछ बड़ी टेक्नोलॉजी कंपनियों के डिजिटल ढांचे पर निर्भर हैं।

सूचना तकनीक विशेषज्ञ बताते हैं कि इस तरह की घटना के पीछे सर्वर, क्लाउड कंप्यूटिंग, सॉफ्टवेयर अपडेट, साइबर सुरक्षा और नेटवर्क प्रबंधन से जुड़ी कई वजहें हो सकती हैं। हालांकि, किसी खास व्यवधान का वास्तविक कारण कंपनी की तकनीकी जांच और आधिकारिक बयान से ही तय किया जा सकता है।

स्पष्ट है कि इस तरह की परेशानियों से बचने के लिए यानी बालू की भीत पर निर्मित सूचना तकनीक संबंधी सफलता को आगे बनाए रखने के लिए इससे जुड़ी तकनीकी गड़बड़ी, क्लाउड पर निर्भरता और डिजिटल व्यवस्था की कमजोरियों को आद्योपरांत समझना होना और इसकी काट ढूंढनी पड़ेगी, क्योंकि यह संकट एक साथ उन 74 देशों पर मंडराया जो माइक्रोसॉफ्ट की सेवाएं ले रहे हैं।12 नवंबर 2026 को माइक्रोसॉफ्ट की क्लाउड आधारित सेवाओं में बड़ी तकनीकी बाधा सामने आई। इसका असर 13 नवंबर तक दुनिया के कई देशों में बना रहा।



इस दौरान प्रमुख रूप से निम्नलिखित सेवाएं प्रभावित हुईं थीं। ईमेल खोलने, भेजने और प्राप्त करने में परेशानी। मीटिंग, कैलेंडर और कुछ चौट सुविधाओं में व्यवधान। ऑफिस के दस्तावेजों और अन्य कार्यस्थलीय सुविधाओं तक पहुंच में समस्या। एआई सहायक के लोड होने और कार्यस्थलीय डेटा तक पहुंचने में दिक्कत। ईमेल तथा पर निर्भर कुछ सुविधाओं का प्रभावित होना। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, इस व्यवधान का असर 74 देशों और क्षेत्रों में देखने को मिला।

इस घटना में सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि समस्या सामान्य इंटरनेट ट्रैफिक बढ़ने के कारण नहीं हुई थी। उपलब्ध तकनीकी जानकारियों और माइक्रोसॉफ्ट के स्पष्टीकरण के आधार पर घटनाक्रम को इस प्रकार समझा जा सकता हैरू कारण एकरू नेटवर्क अपग्रेड में तकनीकी खामी– माइक्रोसॉफ्ट ने कुछ महीने पहले अपने नेटवर्क गेटवे की क्षमता बढ़ाने के लिए अपग्रेड किया था। इस अपग्रेड में एक तकनीकी बग रह गया था। कारण दोरू नया नेटवर्क बदलाव– 12 नवंबर को किए गए एक अन्य नेटवर्क बदलाव ने पहले से मौजूद इस खामी को सक्रिय कर दिया। इसके परिणामस्वरूप कुछ सर्वर ठीक से काम करना बंद करने लगे। कारण तीनरू सर्वरों पर अतिरिक्त दबाव– जब कई सर्वर अनुपलब्ध हुए तो उनका काम बाकी उपलब्ध सर्वरों पर आने लगा। इससे शेष सर्वरों पर अतिरिक्त दबाव बढ़ा और वे भी प्रभावित होने लगे। कारण चाररू तकनीकी समस्या का फैलना– नेटवर्क कनेक्टिविटी और सर्वरों की स्थिरता प्रभावित होने से ञ्जसवा, ज्मंउे और अन्य सेवाओं में भी समस्याएं आने लगीं। हालांकि माइक्रोसॉफ्ट ने बाद में बताया कि मूल तकनीकी खामी को संबोधित कर लिया गया है और सेवाओं को धीरे–धीरे सामान्य किया जा रहा है।

इस घटना के बाद साइबर हमले और एआई सिस्टम की गड़बड़ी को लेकर भी सवाल उठे। लेकिन माइक्रोसॉफ्ट ने स्पष्ट किया कि उसे इस घटना में किसी दुर्भावनापूर्ण साइबर गतिविधि का प्रमाण नहीं मिला। कंपनी ने यह भी कहा कि यह समस्या एआई या एआई एजेंट के कारण नहीं हुई थी। अर्थात उपलब्ध आधिकारिक जानकारी के मुताबिक यह नेटवर्क अपग्रेड और कॉन्फिगरेशन से जुड़ी तकनीकी समस्या थी, न कि प्रमाणित साइबर हमला।

भारत में भी 12 नवंबर की रात से उपयोगकर्ताओं ने Microsoft 365 की सेवाओं में व्यवधान की शिकायतें करनी शुरू कर दी थीं। इसके प्रमुख प्रभाव थे– कंपनियों के ईमेल और आंतरिक संवाद में बाधा। ऑनलाइन बैठकों और कैलेंडर प्रबंधन में परेशानी। कुछ संस्थानों के डिजिटल कार्यों में देरी। ब्वचपसवज और क्लाउड आधारित सुविधाओं के इस्तेमाल में समस्या। एयरलाइन की ईमेल सहायता सेवा प्रभावित हुई। कंपनी ने ग्राहकों को अन्य सहायता माध्यमों का इस्तेमाल करने की सलाह दी थी।

यह सवाल इस पूरे घटनाक्रम का महत्वपूर्ण पहलू है। सिर्फ खराब सर्वर को दोबारा चालू कर देना पर्याप्त नहीं था। कंपनी को यह सुनिश्चित करना था कि दोबारा चालू किए गए सर्वर स्थिर रहें। अतिरिक्त ट्रैफिक को अलग–अलग क्षेत्रों में बांटा जा सके। ईमेल के लंबित संदेश सुरक्षित तरीके से पहुंचाए जा सकें। एक क्षेत्र में सुधार के बाद दूसरे क्षेत्र में नई समस्या न पैदा हो। शुरुआत में सर्वरों को दोबारा चालू करने पर कुछ सर्वर फिर से अनुत्तरदायी हो रहे थे। इसलिए माइक्रोसॉफ्ट को पुराने सॉफ्टवेयर कॉन्फिगरेशन पर कुछ सर्वर तैयार करने और ट्रैफिक प्रबंधन में बदलाव करने पड़े। 13 नवंबर को कंपनी ने व्यापक सुधार की जानकारी दी, लेकिन कुछ उपयोगकर्ताओं को रुक–रुककर परेशानी जारी रहने की आशंका भी जताई गई थी।

इस घटना के पांच बड़े निहितार्थ हैं। एक, डिजिटल दुनिया की केंद्रीकृत निर्भरता– जब बड़ी संख्या में कंपनियां एक ही टेक्नोलॉजी प्रदाता की सेवाओं पर निर्भर होती हैं, तब उसकी तकनीकी समस्या का प्रभाव अनेक देशों और उद्योगों तक पहुंच सकता है। दो, क्लाउड सेवाओं का जोखिम– क्लाउड कंप्यूटिंग ने कारोबार को आसान बनाया है, लेकिन इससे कंपनियों की अपनी तकनीकी व्यवस्था पर निर्भरता भी कम हुई है। अब सेवा प्रदाता की उपलब्धता कारोबार की निरंतरता के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। तीन, साइबर सुरक्षा से आगे बढ़कर तकनीकी सुरक्षा– साइबर हमले से बचाव जरूरी है, लेकिन नेटवर्क अपग्रेड, सॉफ्टवेयर बदलाव और सर्वर प्रबंधन में छोटी–सी तकनीकी खामी भी बड़े व्यवधान का कारण बन सकती है। चार, डिजिटल संप्रभुता का महत्व– भारत और यूरोपीय देशों के लिए यह विचारणीय विषय है कि महत्वपूर्ण सरकारी, वित्तीय और कारोबारी सेवाओं के लिए वैकल्पिक डिजिटल ढांचा कितना मजबूत होना चाहिए। पांच, बैकअप व्यवस्था अनिवार्य– कंपनियों और सरकारी संस्थानों को वैकल्पिक ईमेल व्यवस्था, स्थानीय डेटा बैकअप, आपातकालीन संचार और एक से अधिक सेवा प्रदाताओं पर विचार करना चाहिए।

इस घटना के बाद भारत के सामने कुछ महत्वपूर्ण नीतिगत प्रश्न समुपस्थित हैं– सरकारी सेवाएं– वैकल्पिक डिजिटल व्यवस्था। बैंकिंग– स्वतंत्र बैकअप और आपदा प्रबंधन। शिक्षा– ऑफलाइन शिक्षण सामग्री और वैकल्पिक प्लेटफॉर्म। (पअ) विमानन– वैकल्पिक संचार नेटवर्क। (अ) मीडिया– स्वतंत्र ईमेल और डेटा बैकअप। (अप) उद्योग– मल्टी–क्लाउड रणनीति। विशेषकर भारत को स्वदेशी क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर, डेटा सेंटर, साइबर सुरक्षा और डिजिटल तकनीक के क्षेत्र में अपनी क्षमता बढ़ाने पर ध्यान देना चाहिए।

वास्तव में, तकनीकी सुविधा के साथ तकनीकी आत्मनिर्भरता भी जरूरी है। माइक्रोसॉफ्ट की नवंबर 2026 की घटना यह बताती है कि आधुनिक डिजिटल अर्थव्यवस्था में तकनीकी सुविधा और तकनीकी सुरक्षा दोनों का समान महत्व है। यह केवल माइक्रोसॉफ्ट की समस्या नहीं थी। यह उस वैश्विक व्यवस्था के लिए चेतावनी थी, जहां कुछ बड़ी कंपनियों की सेवाओं पर दुनिया की महत्वपूर्ण गतिविधियां निर्भर हो गई हैं।

यह घटनाक्रम भारत के लिए स्पष्ट संदेश है कि डिजिटल इंडिया को मजबूत बनाने के साथ–साथ डिजिटल आत्मनिर्भरता, डेटा सुरक्षा, वैकल्पिक नेटवर्क और तकनीकी आपातकालीन व्यवस्था को भी मजबूत करना होगा। क्योंकि डिजिटल युग में किसी एक बड़े तकनीकी प्लेटफॉर्म का ठप होना केवल कंप्यूटर स्क्रीन पर आने वाली त्रुटि नहीं, बल्कि अर्थव्यवस्था, प्रशासन और आम नागरिक के कामकाज को प्रभावित करने वाला संकट बन सकता है।

आस्था का लोक–विज्ञान छठ महापर्व

-कुशाग्र राजेन्द्र/ देविना कृष्णा-

वैचारिक विवादों से परे, छठ महापर्व भारतीय ज्ञान परंपरा के लोक–विज्ञान, प्रकृति के प्रति कृतज्ञता और बिहार के मेहनतकश विस्थापित समाज के संघर्ष और आत्मसम्मान का सबसे बड़ा संबल है। कार्तिक महीने के साथ ही हर वर्ष उत्तर भारत की सामाजिक और सांस्कृतिक फिजा में दो बिल्कुल विपरीत तस्वीरें उभरती हैं। एक ओर दिल्ली, मुंबई, सूरत और बेंगलुरु के रेलवे स्टेशनों पर अपने घर लौटने की जद्दोजहद में ट्रेनों के खचाखच भरे डिब्बों में ठुंसे लाखों बिहारी प्रवासी कामगार दिखते हैं, तो दिल्ली में यमुना के जहरीले झाग के बीच खड़े होकर अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य देते पूरब के विस्थापित परिवार। वहीं दूसरी ओर, बिहार–झारखंड और पूर्वांचल के ग्रामीण अंचलों में नदियों और पोखरों के घाटों पर बिना किसी पुरोहित, मंदिर या मूर्ति के कमर भर पानी में खड़ी होकर उगते और डूबते सूर्य को गन्ना, कच्ची हल्दी और मौसमी फल अर्पित करती आह्लादित स्त्रियों और पुरुषों का अनुशासित लोक–पर्व दिखाई देता है। लोक–कंठ से फूटता स्वर"केरवा जे फरेला घवद से, ओह पर सुगा मेड़राय" मनुष्य, पशु–पक्षी और प्रकृति के बीच के इसी आत्मीय संवाद को जीवंत कर देता है।



प्रकृति के प्रति इस निश्छल कृतज्ञता और आधुनिक पलायन की त्रासदी के बीच ही छठ महापर्व का वास्तविक मर्म छिपा है। विडंबना यह है कि हाल के वर्षों में सोशल मीडिया और वैचारिक बहसों ने इस जीवंत लोक–पर्व को भी कृत्रिम खांचों में बांटने की कोशिश की है। कहीं इसे विशुद्ध वैदिक परंपरा साबित करने की होड़ है, तो कहीं इसे बौद्ध परंपरा से जोड़कर एक नया सांस्कृतिक ध्रुवीकरण खड़ा करने का प्रयास।

ऐसे विवाद इस पर्व की मूल आत्मा से भटकाव हैं। यदि हम इसे भारतीय ज्ञान की लोक–परंपरा की कसौटी पर परखें, तो छठ किसी भी वैचारिकी से परे, पारिस्थितिकी, जल–संरक्षण और कृषि–कृतज्ञता का एक जीवंत लोक–विज्ञान है, जिसे उन्नीसवीं सदी में गिरमिटिया मजदूरों ने सात समंदर पार तक जीवित रखा, यहां तक मुस्लिम महिलाएं भी उसी निश्चल श्रद्धा के साथ घाट पर अर्घ्य देती दिख जाती है और आज बिहार का मेहनतकश प्रवासी समाज छठी मइया के साथ अपने जुड़ाव को अपने आत्मसम्मान के संबल के रूप में संजो रहा है। भारतीय सभ्यता में ज्ञान की दो धाराएं समानांतर प्रवाहित होती रही हैं 'शास्त्रीय' और 'लौकिक'। छठ इन दोनों धाराओं का अद्भुत संगम है।

इसके दार्शनिक सूत्र ऋग्वेद की उन ऋचाओं से जुड़ते हैं जो सूर्य को संपूर्ण चराचर जगत की आत्मा (सूर्य आत्मा जगतस्तस्थुषश्च) मानती हैं, और उस प्राचीन सूर्य–उपासना परंपरा से भी, जिसके प्रमाण आज भी बिहार के औरंगाबाद के देव सूर्य मंदिर और नालंदा के बड़गांव में मौजूद हैं। किंतु इस गूढ़ सूर्य–दर्शन को जन–जन का सहज, लोकतांत्रिक अनुष्ठान बनाने का श्रेय हमारी 'लोक–परंपरा' को जाता है, जिसे पीढ़ी दर पीढ़ी स्त्रियों ने अपने भोजपुरी, मैथिली और मगही छठ गीतों के माध्यम से सहेजा है। भारत के तमाम कृषि–पर्व, चाहे तमिलनाडु का पोंगल हो, असम का बिहू या ओडिशा का नुआखाई, बिना पुरोहित और कर्मकांड के ही मनाए जाते रहे हैं। छठ का पुरोहित–विहीन और स्त्री–प्रधान स्वरूप कोई ऐतिहासिक अपवाद नहीं, बल्कि भारत की मौलिक कृषि–संस्कृति की स्वाभाविक पहचान है। इसलिए छठ के बहाने 'वैदिक बनाम बौद्ध' का द्वंद्व खड़ा करना न केवल अनैतिहासिक है, बल्कि समाज को मूल प्रश्नों से भटकाने वाला भी है। प्राचीन मगध की उर्वर भूमि पर वैदिक और श्रमण (बौद्ध व जैन) परंपराएं अलग–अलग द्वीपों में नहीं रहती थींय उन्होंने एक ही कृषि–चक्र, उन्हीं नदियों और प्रकृति के प्रति समान सम्मान को साझा किया था। केवल पुरोहित की अनुपस्थिति के आधार पर इसे बौद्ध पर्व घोषित करना मानवशास्त्र की बुनियादी समझ के विपरीत है, क्योंकि होली से लेकर करवा चौथ तक भारत के अधिकांश लोक–पर्व बिना पुरोहित के ही संपन्न होते हैं। इसके अतिरिक्त, छठ का 36 घंटे का कठोर निर्जला उपवास और सात्विक संयम, बौद्ध दर्शन के 'मध्यम मार्ग' से बिल्कुल भिन्न है। उत्पत्ति की इन व्यर्थ बहसों में उलझना उन ग्रामीण स्त्रियों के योगदान को नकारना है जिन्होंने इस परंपरा को गढ़ा, और साथ ही बिहार के समकालीन आर्थिक संकटों से आंखें मूंदना भी है।

यदि हम छठ के अनुष्ठानों को गहराई से देखें, तो इसमें प्रकृति और मानव शरीर के संतुलन का एक अत्यंत परिष्कृत समझ दिखाई देता है, जिसकी वैश्विक महत्ता को देखते हुए आज इसे यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत सूची में शामिल करने की पहल भी हो रही है। पहला, यह ऋतु–संधि और जैविक लय का विज्ञान है। कार्तिक मास शरद और हेमंत ऋतु का संधिकाल होता है, जब मनुष्य की रोग–प्रतिरोधक क्षमता स्वाभाविक रूप से कमजोर पड़ती है। अस्ताचलगामी और उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देने की परंपरा शरीर को प्रातः और सायं की उन कोमल किरणों के संपर्क में लाती है और सर्दियों से पहले शरीर की जैविक घड़ी को संतुलित करने में सहायक होती हैं।

दूसरा, यह कृषि–पारिस्थितिकी और जैव–विविधता के संरक्षण का पर्व है। बाजारवादी मिठाइयों और कृत्रिम वस्तुओं से दूर, बांस के सूप में सजाया जाने वाला हर नैवेद्य सीधे खेत से निकला कच्चा और मौसमी उत्पाद होता है, गन्ना, कच्ची हल्दी, अदरक, मूली, सिंघाड़ा, शकरकंद और गागल, नींबू। इन पारंपरिक फसलों की अनिवार्यता न केवल स्थानीय जैव–विविधता को बचाए रखती है, बल्कि छोटे किसानों के साथ–साथ सूप बुनने वाले डोम कारीगरों और मिट्टी के दीये गढ़ने वाले कुम्हारों की ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी संबल देती है। तीसरा, यह जल–संस्कृति और सामाजिक समरसता का अनुष्ठान है। चूंकि व्रतियों को नदी या तालाब के कमर भर पानी में उतरना होता है, इसलिए पर्व से पहले पूरे समाज के लिए अपने जलस्रोतों की सफाई और गाद निकालना एक नैतिक, सामूहिक और वार्षिक दायित्व बन जाता है। एक ही घाट पर खड़ा समाज जाति और वर्ग की दीवारों को स्वतः गिरा देता है।

इस विकेंद्रीकृत लोक–ज्ञान की जीवटता की सबसे कठिन परीक्षा उन्नीसवीं सदी में हुई, जब औपनिवेशिक शासन के दौरान बिहार और पूर्वांचल से लाखों गिरमिटिया मजदूरों को मॉरीशस, फिजी, सूरीनाम, त्रिनिदाद, गुयाना और दक्षिण अफ्रीका के गन्ने के खेतों में खटने के लिए ले जाया गया। बिना किसी सामान, बिना मंदिर और बिना पुरोहित के सात समंदर पार पहुंचे इन मजदूरों के पास केवल उनकी स्मृतियां और लोकगीत थे।

मॉरीशस में, जहां भोजपुरी भाषी समाज बहुसंख्यक था, स्त्रियों ने छठ गीतों के सहारे इस पर्व को जीवित रखा और आज वहां गंगा तालाब के तट पर यह राजकीय सम्मान के साथ मनाया जाता है। कैरेबियाई द्वीपों में बागानों की कठोर मजदूरी ने चार दिवसीय अनुष्ठान में बाधा जरूर डाली, लेकिन 'कार्तिक नहान' और संतान–रक्षा के लोक–संस्कारों के रूप में छठी मइया की स्मृति बची रही, जो आज वहां एक नए सांस्कृतिक पुनर्जागरण का आधार बन रही है। दक्षिणी गोलार्ध के विपरीत मौसम और अनजान फसलों के बीच भी गिरमिटिया समाज ने प्रकृति के प्रति कृतज्ञता के इस व्याकरण को ढाल लिया, यह सिद्ध करते हुए कि सूर्य, जल और मिट्टी से मनुष्य का सीधा रिश्ता कभी गुलाम नहीं बनाया जा सकता। उन्नीसवीं सदी के उन गिरमिटिया मजदूरों और इक्कीसवीं सदी के बिहारी प्रवासी कामगारों के बीच एक गहरा, मार्मिक सूत्र जुड़ा हुआ है। दोनों ही अपनी मिट्टी की उपेक्षा और आर्थिक विवशता के कारण पलायन का दंश झेलने वाले समाज हैं। आज छठ महापर्व बिहार के विकास मॉडल की विफलता का सबसे बड़ा वार्षिक आईना बन चुका है। खेती के संकट, बाढ़ की त्रासदी और स्थानीय रोजगार के अभाव ने लाखों युवाओं को देश के महानगरों में असंगठित मजदूरी के लिए धकेल दिया है। कार्तिक मास में हर कीमत पर घर लौटने की उनकी तड़प केवल भावुकता नहीं, बल्कि अपने खोए हुए आत्मसम्मान को पुनः पाने की छटपटाहट है।

साथ ही, यह पर्व पीछे गांव में छूट गई उन लाखों महिलाओं के एकाकी संघर्ष और धैर्य का भी उत्सव है, जो साल भर अकेले घर–खेत संभालती हैं और अपने प्रवासी पतियों व परिवार की सलामती के लिए 36 घंटे का निर्जला तप करती हैं। किंतु आधुनिक शहरी विकास की विडंबना इन प्रवासियों का पीछा घाटों तक करती है! जो कामगार घर नहीं लौट पाते, वे दिल्ली की प्रदूषित यमुना के जहरीले पानी या कृत्रिम गड्ढों में खड़े होकर अर्घ्य देने को विवश हैं।

चुनाव आयुक्तों को कानूनी छूट



—मनीष तिवारी—

विधि का शासन (रूल ऑफ लॉ) वह आधारभूत सिद्धांत है, जो एक संवैधानिक लोकतंत्र को निरंकुशता से अलग करता है। विधि का यह प्रतिष्ठित शासन विक्टोरिया युग की इस उक्ति 'राजा कोई गलती नहीं कर सकता' के बिल्कुल विपरीत खड़ा है। हालांकि, आधुनिक भारत की संवैधानिक रूपरेखा में राज्य को दायित्व से संरक्षण देने का कोई विशेष स्थान नहीं है। भारत सरकार अधिनियम, 1858 के प्रारंभिक दौर में ही 'सैक्रेटरी ऑफ स्टेट इन काउंसिल' के माध्यम से मुकद्दमा दायर करने और किए जाने के प्रावधान के साथ राज्य के दायित्व को मान्यता दी गई थी। यह प्रावधान, समान रूप से उत्तरवर्ती अधिनियमों और यहां तक कि संविधान के अनुच्छेद 300 में भी जारी रहा, जो इस बात की पुष्टि करता है कि राज्य की भव्य संस्था, चाहे वह कितनी भी अभिन्न, अविभाज्य या संप्रभु क्यों न हो, कानूनी और सामयिक कार्रवाइयों तथा कानून के बल से अछूती नहीं है।

यही बात उस संस्था के लिए सच नहीं कही जा सकती जिसे भारत की लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं का 'तटस्थ मध्यस्थ' माना जाता है, अर्थात भारत का निर्वाचन आयोग। मुख्य निर्वाचन आयुक्त और अन्य निर्वाचन आयुक्त (नियुक्ति, सेवा की शर्तें और पदावधि) अधिनियम, 2023 की धारा 16 को इस प्रकार नियुक्त किए गए मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सी.ई.सी.) और निर्वाचन आयुक्तों (ई.सी.) को पूर्ण कानूनी छूट प्रदान करने के लिए अधिनियमित किया गया था। संविधान निर्माताओं ने कभी यह कल्पना नहीं की थी कि संसद के एक अधिनियम द्वारा विधि के शासन और राज्य के दायित्व को पूरी तरह उलट दिया जाएगा। धारा 16 ने सी.ई.सी. और ई.सी. के चारों ओर शाश्वत और पूर्ण उन्मुक्ति का एक ऐसा किला खड़ा कर दिया है, जो भारत के राष्ट्रपति को प्राप्त सुरक्षा कवच से भी अधिक अभेद्य है और संवैधानिक न्यायालयों के न्यायाधीशों को उपलब्ध संरक्षणों से भी अधिक निरपेक्ष है।

न्यायिक उन्मुक्ति के साथ तुलना विशेष रूप से शिक्षाप्रद है, क्योंकि यह उस जानबूझकर पैदा की गई विषमता को उजागर करती है, जिसे विधायिका लागू करना चाहती थी। न्यायाधीश (संरक्षण) अधिनियम, 1985 की धारा 3(1) यह प्रावधान करती है कि कोई भी न्यायालय किसी न्यायाधीश के विरुद्ध आधिकारिक या न्यायिक कर्त्तव्य के निर्वहन में किए गए किसी भी कार्य के लिए कोई दीवानी या आपराधिक कार्रवाई ग्रहण या जारी नहीं रखेगा। 2023 के अधिनियम की धारा 16 इस प्रावधान का लगभग अक्षरशरू पुनरुत्पादन है, जो इसे आधिकारिक कार्यों के निर्वहन में किए गए कृत्यों के लिए सी.ई.सी. और ई.सी. तक विस्तारित करती है। हालांकि, यह समानता भ्रामक है और इसका अंतर अत्यंत घातक है। 1985 के अधिनियम की धारा 3(2) स्पष्ट रूप से केंद्र सरकार, सर्वोच्च न्यायालय, उच्च न्यायालयों और अन्य सक्षम प्राधिकारियों की उस शक्ति को सुरक्षित रखती है, जिसके तहत वे कानून द्वारा अनुमतरू न्यायाधीशों के विरुद्ध दीवानी, आपराधिक, विभागीय या अन्य कार्रवाई कर सकते हैं। 2023 के अधिनियम में ऐसा कोई सेविंग क्लॉज मौजूद नहीं है।

यह तर्क कि सी.ई.सी. और ई.सी. के कदाचार के लिए महाभियोग ही उपयुक्त संवैधानिक उपचार है, मौलिक रूप से भ्रामक है। अनुच्छेद 124(4) के साथ पठित अनुच्छेद 324(5) के तहत सी.ई.सी. का महाभियोग एक राजनीतिक प्रक्रिया है, न कि कोई आपराधिक मुकद्दमा। इसका उद्देश्य महाभियोग योग्य आधारों पर किसी अनुपयुक्त व्यक्ति को पद से हटाकर जनहित की रक्षा करना है, न कि किसी व्यक्ति पर दंडात्मक उपाय लागू करना।

64 एटीएम कार्ड के साथ दो जालसाज गिरफ्तार



संवाददाता–देवरिया। गोरखपुर–बस्ती मंडल के जिलों में एटीएम कार्ड बदल कर लोगों का रुपया निकालने वाले गिरोह के दो सदस्य रविवार को कोतवाली पुलिस के हत्थे चढ़ गए। उनके पास से पुलिस ने विभिन्न बैंकों के 64 एटीएम कार्ड बरामद किया गया है। हालांकि इनके गिरोह के दो सदस्य फरार हो गए हैं। इनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस दबिश दे रही है। दोनों गोरखपुर जिले के रहने वाले हैं। सदर कोतवाली क्षेत्र के चकसराय बदलदास की रहने वाली अंजू देवी की बेटी आंचल अपने पिता के खाते का एटीएम कार्ड लेकर सोनूघाट स्थित एटीएम पर रुपया निकालने के लिए कुछ दिन पहले गई थी। इस बीच पहले से मौजूद तीन युवकों ने रुपया निकालने में सहयोग करने की बात कही और एटीएम कार्ड ले लिया। इस बीच एटीएम कार्ड बदल कर दूसरा कार्ड दे दिया। साथ ही रुपया निकाल लिया। इस मामले में केस दर्ज कर जांच में जुटी कोतवाली पुलिस रविवार को सोनूघाट स्थित एटीएम के पास पहुंची, जहां दो व्यक्ति संदिग्ध व्यक्ति दिखे। पुलिस ने दोनों को हिरासत में ले लिया और उनकी तलाशी ली तो उनके पास से विभिन्न बैंकों के 64 एटीएम कार्ड बरामद किए गए। पूछताछ में दोनों ने अपना नाम मोहन निषाद निवासी बशारतपुर थाना शाहपुर जनपद गोरखपुर, स्थायी पता खजांची चौराहा, सेमरा नं0–02 थाना गुलरिहा जनपद गोरखपुर व संदीप मिश्रा निवासी गोविन्दपुर थाना सिकरीगंज जनपद गोरखपुर, अस्थायी पता मोहरीपुर थाना चिलुआताल जनपद गोरखपुर बताया। दोनों ने बताया कि उनके गिरोह में इमरान निवसी बिछिया व सुजीत बिंद निवासी भटौली थाना बांसगांव जिला गोरखपुर भी शामिल हैं। जालसाजों ने बताया कि वह भाड़े पर चार पहिया वाहन लेते हैं और फिर उसमें सवार होते हैं। इसके बाद वह गोरखपुर–बस्ती मंडल के विभिन्न जिलों में जाते हैं। दो सदस्य एटीएम के बाहर रहते हैं, जबकि दो लोग एटीएम के अंदर चले जाते हैं। एटीएम पर आने वाले बच्चे, बुढ़े तथा जो अनपढ़ लोग आते हैं जो एटीएम कार्ड चलाना नहीं जानते हैं, उन्हें सहयोग करने का झांसा देते हैं, इसके बाद पिन कोड प्राप्त कर फिर कार्ड बदल कर उन्हें दे देते हैं। इसके बाद निकल जाते है। उन्होंने बताया कि जब कोई एटीएम कार्ड डालता है तो यह सब स्क्रीन पर हाथ रख देते हैं, इसलिए एटीएम कार्ड काम नहीं करता और लोग इनके जाल में आ जाते हैं। मोहित निषाद शातिर अपराधी है। इसके विरुद्ध शाहपुर थाने में लूट, धोखाधड़ी के चार, पिपराइच थाने में लूट, चोरी के कुल छह केस दर्ज हैं। जबकि बड़हलगंज थासने में भी इसके विरुद्ध दो केस, गोला, सिकरीगंज, कुशीनगर के तमकुहीराज में धोखाधड़ी, हत्या के प्रयास, बलिया में धोखाधड़ी, देवरिया कोतवाली में आइटी एक्ट के तहत कुल 23 केस दर्ज हैं। वहीं संदीप मिश्रा पर लखनऊ के ठाकुरगंज, अयोध्या, कोतवाली सिटी प्रतापगढ़, कोतवाली देहात सुल्तानपुर, बडाडग्गांव वाराणसी, पीपीगंज गोरखपुर, तमकुहीराज कुशीनगर, बलिया, देवरिया के सदर कोतवाली में भी उसके विरुद्ध केस दर्ज है। इसके विरुद्ध कुल 18 केस दर्ज हैं।

दरवाजा बंद करने पर महिला की फावड़ा से प्रहार कर हत्या



संवाददाता–देवरिया।पड़ोसी प्रांत बिहार के गोपालगंज जनपद के भोरे थाना क्षेत्र में शनिवार की रात दरवाजा तेज से बंद करने पर एक महिला की जेठ के पुत्र ने फावड़े से प्रहार कर हत्या कर दी। मेडिकल कॉलेज देवरिया में मौत की सूचना पर सदर कोतवाली पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेज दिया। उधर महिला के पिता ने भोरे पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। महिला की मौत के बाद परिवार में मातम छा गया।

तरकुलवा थाना क्षेत्र के ग्राम सकुतई के रहने वाले इद्रीश अंसारी की बेटी जुलेखा खातून (29) की शादी नौ वर्ष पहले पड़ोसी प्रांत बिहार के गोपालगंज जिले के भोरे थाना क्षेत्र के देउरवा निवासी खुर्शेद अंसारी से हुई थी। पति इन दिनों सऊदी अरब में है। जुलेखा के भाई नसीम की माने तो शनिवार की रात दरवाजा खुला था और कुत्ता अंदर आ गया। यह देख बहन दौड़ी और कुत्ते को भगाने के साथ ही तेजी से फाटक बंद कर दिया। तेज फाटक बंद होने पर उसके जेठ व उसके परिवार के लोग बहन से विवाद करने लगे और फिर जेठ के बेटे ने फावड़ा उठाकर बहन के सिर पर प्रहार कर दिया। जिससे वह लहूलुहान होकर गिर पड़ी। इसके बाद कुछ लोगों ने बहन को उपचार के लिए महर्षि देवरहा बाबा मेडिकल कालेज देवरिया पहुंचाया, जहां चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया। चिकित्सक की सूचना पर कोतवाली पुलिस पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेज दिया। सदर कोतवाल शशिभूषण राय ने बताया कि महिला की मौत हुई है। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेजा गया है। घटना दूसरे प्रांत की है।

छठ वेदी बनाने गए युवक की पोखरे में डूबने से मौत

संवाददाता–देवरिया। छठ महापर्व की तैयारी के बीच रविवार सुबह मदनपुर क्षेत्र के सिंगही ताल में दर्दनाक हादसा हो गया। छठ घाट पर वेदी बनाने के लिए पोखरे में मिट्टी निकाल रहे युवक की पैर फिसलने से गहरे पानी में डूबकर मौत हो गई। घटना की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया, वहीं गांव में सनसनी फैल गई। मदनपुर थाना क्षेत्र के नैपुर गांव निवासी रामप्रताप (35) पुत्र घिसिरावन रविवार सुबह प्राथमिक विद्यालय के पश्चिम निकट सिंगही ताल पर छठ वेदी बनाने पहुंचे थे। बताया जा रहा है कि वेदी बनाने के लिए वह पोखरे में उतरकर मिट्टी निकाल रहे थे।

इसी दौरान अचानक पैर फिसलने से वह गहरे पानी में चले गए और डूबने लगे। पोखरे के पास मौजूद बच्चों ने शोर मचाया तो ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। लोगों ने आनन–फानन उन्हें पोखरे से बाहर निकाला व प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंची मदनपुर पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया। थानाध्यक्ष नंदा प्रसाद ने बताया कि पुलिस मौके पर गई थी। शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

कोहरे की सफेद चादर, सड़कों पर थमी वाहनों की रफ्तार

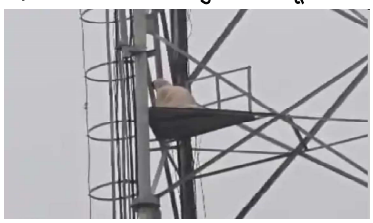


संवाददाता– श्रावस्ती। रविवार सुबह मौसम ने अचानक करवट ले ली जिससे जिले भर में सुबह से ही घने कोहरे की सफेद चादर छाई रही। कोहरे के कारण वाहनों की रफ्तार काफी कम हो गई। सड़क पर कुछ दूरी पर देख पाना भी मुश्किल हो गया। इसका सीधा असर सड़कों पर यातायात पर पड़ा। वाहन चालकों को दिन में भी हेडलाइट और फॉग लाइट जलाकर सफर करना पड़ा। कई मार्गों पर वाहनों की रफ्तार धीमी पड़ गई। बौद्ध परिषद नेशनल हाईवे–730 पर सुबह घना कोहरा छाए रहने से आवागमन प्रभावित रहा। सोनवा क्षेत्र के बहराइच से भिनगा मार्ग पर सुबह घना कोहरा छाया रहा जिसके चलते लोगों का आवागमन प्रभावित रहा।

वहीं भिनगा, इकौना, गिलौता और मल्हीपुर समेत जिले के प्रमुख मार्गों पर भी वाहन चालकों को काफी सतर्कता बरतनी पड़ी। कामकाज के सिलसिले में सुबह घरों से निकले लोगों और राहगीरों को भी परेशानी का सामना करना पड़ा। कोहरे के बीच सड़कों पर चलना जोखिम भरा रहा। नवंबर के दूसरे सप्ताह के बीतने के साथ ही जिले में मौसम का मिजाज तेजी से बदलने लगा है। सुबह और रात के समय ठंड में लगातार बढ़ोतरी महसूस की जा रही है। गुलाबी ठंड के चलते लोग गर्म कपड़ों में नजर आने लगे हैं। रविवार की सुबह मौसम 16 डिग्री सेल्सियस रहा। इस तरह का घना कोहरा दिसंबर महीने में देखने को मिलता था, लेकिन इस बार नवंबर के मध्य में ही कोहरे ने दस्तक दे दी है।

मौसम में आए इस बदलाव से ठंड का असर भी बढ़ने लगा है।

प्रेमी से शादी की जिद में मोबाइल टावर पर चढ़ी किशोरी, उतारने में पुलिस को छूटे पसीने



संवाददाता–महराजगंज। निचलौल थाना क्षेत्र के बैतवलिया गांव में रविवार की सुबह एक किशोरी प्रेमी से शादी करने की जिद में मोबाइल टावर पर चढ़ गई। इस दौरान तकरीबन एक घंटे तक हाईवोल्टेज ड्रामा चला। इसे देखने के लिए ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। किशोरी काफी समझाने के बाद मानी। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस उससे पूछताछ के लिए साथ ले गई। किशोरी निचलौल थाना क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली बताई जा रही है। उसका ठूठीबारी थाना क्षेत्र के एक युवक से प्रेम प्रसंग चल रहा है। वह अपने प्रेमी से शादी करने की जिद में बैठवलिया गांव के पास एक टावर पर चढ़ गई।

उसका कहना है कि प्रेमी से शादी की इच्छा उसने अपने घर वालों के सामने रखी तो उसके परिजन उसे डांटने लगे। उसका प्रेमी भी उससे शादी करने के लिए तैयार है, लेकिन परिजन नहीं चाह रहे हैं कि दोनों की शादी हो। उसके परिजन उसकी मृत बहन के पति से उसकी शादी करने के लिए उस पर दबाव दे रहे हैं। वह ऐसा नहीं चाहती। इसी के चलते प्रेमी से शादी की जिद में वह टावर पर चढ़ गई। इसकी जानकारी मिलते ही लोगों की भारी भीड़ जुट गई। पुलिस भी मौके पर पहुंची और युवती को काफी समझाने–बुझाने का प्रयास किया। काफी मशक्कत के बाद पुलिस ने किशोरी को सुरक्षित टावर से नीचे उतरवाया और पूछताछ के लिए अपने साथ ले गई।

एसओ योगेंद्र राय ने बताया कि टावर पर चढ़ी किशोरी को सुरक्षित उतरवाया गया है। उसे समझाया जा रहा है।

छठ घाटों पर उमड़ी आस्था, अस्ताचलगामी सूर्य को दिया अर्घ्य, रोशनी से जगमगाए घाट

संवाददाता–महराजगंज। लोकआस्था और सूर्योपासना का महापर्व डाला छठ रविवार को श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य देने के लिए सुबह 7 बजे से ही व्रती महिलाओं और श्रद्धालुओं में उत्साह रहा।

शाम होते ही शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के छठ घाटों पर भीड़ उमड़ पड़ी। व्रती महिलाओं ने पारंपरिक विधि–विधान से पूजा–अर्चना की। उन्होंने परिवार की सुख–समृद्धि, संतान की दीर्घायु और खुशहाली की कामना की।

महराजगंज नगरपालिका के साथ नौतनवा, फरेंदा, निचलौल, सिसवा, धानी, परतावल, पनियरा और बृजमनगंज सहित सभी नगर निकायों और ग्रामीण क्षेत्रों में छठ पर्व की रौनक रही। घाटों को आकर्षक झालरों और रंग–बिरंगी विद्युत लाइटों से सजाया गया था। व्रती महिलाओं ने सूप और दउरा में मौसमी फल, ठेकुआ, नारियल और पूजन सामग्री सजाकर सूर्यदेव की आराधना की। परिवार के सदस्यों और श्रद्धालुओं की मौजूदगी से घाटों पर भक्तिमय माहौल रहा।

पर्व के दौरान प्रशासनिक और पुलिस अधिकारी भी व्यवस्थाओं को लेकर सक्रिय रहे। महराजगंज नगर के बलिया नाला छठ घाट, अमरुतिया, पंत नगर और पटेल नगर सहित विभिन्न पूजा स्थलों पर नवागत जिलाधिकारी शिवशरणाप्पा जीएन और पुलिस अधीक्षक शक्ति मोहन अवस्थी पहुंचे। उन्होंने घाटों पर श्रद्धालुओं की आवाजाही, सुरक्षा इंतजाम और अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। अधिकारियों ने पर्व को शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने पर जोर दिया। व्रती महिलाओं और श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए जिलेभर के छठ घाटों पर पुलिस तैनात रही। प्रमुख घाटों पर भीड़ प्रबंधन और निगरानी की व्यवस्था की गई थी। प्रशासन की ओर से श्रद्धालुओं को किसी तरह की असुविधा न हो, इसके लिए सतर्कता बरती गई। सूर्यदेव के क्षितिज की ओर बढ़ते ही व्रती महिलाएं पानी में खड़े होकर अर्घ्य देने लगीं। दीपों की रोशनी, छठ गीतों और छठी मइया के जयकारों से घाट गूंज उठे। परिवार के सदस्यों ने भी पूजा में हिस्सा लिया। रविवार को अस्ताचलगामी सूर्य को पहला अर्घ्य देने के बाद श्रद्धालुओं ने सोमवार सुबह उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देने की तैयारियां शुरू कर दीं। लोकपरंपरा, प्रकृति के प्रति कृतज्ञता और परिवार के मंगल की कामना से जुड़ा यह पर्व जनपद में आस्था और उल्लास की छाप छोड़ गया।

बाइक चोरी के 3 आरोपी गिरफ्तार, 4 मोटरसाइकिलें फर्जी नंबर प्लेटें, दो फर्जी आरसी और नकदी बरामद

संवाददाता–श्रावस्ती। कोतवाली भिनगा पुलिस और एसओजी की टीम ने बाइक चोरी के तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। रविवार दोपहर 3 बजे पुलिस ने मामले का खुलासा किया। आरोपियों के पास से चोरी की चार मोटरसाइकिलें, कूटरचित नंबर प्लेटें, दो फर्जी रजिस्ट्रेशन प्रमाण पत्र (आरसी), मास्टर चाबियों का गुच्छा और 3,100 रुपए नकद बरामद हुए हैं। पुलिस अधीक्षक राहुल भाटी के निर्देश पर चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस टीम ने 15 नवंबर को वर्गा–वर्गी जंगल से तीनों आरोपियों को गिरफ्तार किया। उनकी पहचान अमजद पुत्र असलम और इरफान पुत्र बाउर, निवासी नासिरगंज, थाना सोनवा, और समीउल्ला उर्फ नसरू पुत्र नसीम, निवासी मछरिहवा, थाना कोतवाली भिनगा के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक, 5 नवंबर को कोतवाली भिनगा क्षेत्र के कोठवा निवासी पवन कुमार ने बाइक चोरी होने की शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया था कि वह प्लेटिना बाइक से जिला अस्पताल भिनगा ड्यूटी पर आए थे। उन्होंने बाइक ओपीडी के सामने खड़ी की थी। दोपहर करीब 2रू35 से 2रू40 बजे के बीच अज्ञात चोर उनकी बाइक लेकर फरार हो गए थे। मामला दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू की। जांच के दौरान मिली जानकारी के आधार पर कोतवाली भिनगा पुलिस और एसओजी की टीम ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। तलाशी में उनके पास से चोरी की चार मोटरसाइकिलें, कूटरचित नंबर प्लेटें, दो फर्जी आरसी, मास्टर चाबियों का गुच्छा और 3,100 रुपए नकद बरामद हुए।



पुलिस के अनुसार, अमजद के खिलाफ बहराइच के अलग–अलग थानों में चोरी, धोखाधड़ी, जालसाजी और गैंगस्टर एक्ट समेत कई मुकदमे दर्ज हैं। श्रावस्ती के कोतवाली भिनगा में भी उसके खिलाफ चोरी का मुकदमा दर्ज है। वहीं, इरफान के खिलाफ मल्हीपुर थाने में आबकारी अधिनियम के तहत एक मुकदमा दर्ज है। इस मामले में कोतवाली भिनगा में मुकदमा अपराध संख्या 549ई2026 के तहत बीएनएस की अलग–अलग धाराओं में कार्रवाई की गई है।

लापरवाही पर ग्राम पंचायत सचिव निलंबित गोवंश आश्रय स्थलों के निरीक्षण में मिली खामियां



संवाददाता–गोण्डा। गोवंश आश्रय स्थलों के निरीक्षण में लापरवाही मिलने पर जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन ने ग्राम विकास अधिकारी विवेकानंद को निलंबित कर दिया है। उनके खिलाफ विभागीय जांच के भी आदेश दिए गए हैं।

इसके अलावा खंड विकास अधिकारी कटरा बाजार समेत तीन अधिकारियों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई की संस्तुति की गई है।

डीएम के निर्देश पर रविवार को मुख्य विकास अधिकारी दयानंद प्रसाद, जिला विकास अधिकारी आदित्य तिवारी और उपायुक्त (श्रम रोजगार) ने खंड विकास अधिकारी कटरा बाजार के साथ विकासखंड की चार ग्राम पंचायतों में संचालित गोवंश आश्रय स्थलों का निरीक्षण किया।

अधिकारियों ने ग्राम पंचायत गण्डाही, नकहा, नदावा और भरथा इटहिया की गौशालाओं में गोवंश के रख–रखाव, मूलभूत सुविधाओं और संचालन की स्थिति का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान ग्राम पंचायत गण्डाही की गौशाला में 128, नदावा में 95 और नकहा में 114 गोवंश संरक्षित मिले। इस तरह इन तीनों गौशालाओं में कुल 337 गोवंश पाए गए। वहीं, भरथा इटहिया की गौशाला में एक भी गोवंश संरक्षित नहीं मिला।

निरीक्षण में गौशाला परिसरों की साफ–सफाई भी संतोषजनक नहीं मिली। इस पर अधिकारियों ने नाराजगी जताई और नियमित सफाई के निर्देश दिए। साथ ही आगामी शीत ऋतु को देखते हुए गोवंश को ठंड से बचाने के लिए पर्याप्त इंतजाम, सुरक्षित आश्रय और जरूरी संसाधनों की व्यवस्था समय से पूरी करने को कहा।

निरीक्षण आख्या के आधार पर जिलाधिकारी ने रविवार को ग्राम विकास अधिकारी विवेकानंद को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। निलंबन अवधि में उन्हें विकासखंड मुजेहना से संबद्ध किया गया है।

इसके अलावा खंड विकास अधिकारी कटरा बाजार, सहायक विकास अधिकारी (पंचायत) कटरा बाजार और पशु चिकित्सा अधिकारी कटरा बाजार के खिलाफ विभागीय कार्रवाई की संस्तुति की गई है।

प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि गोवंश आश्रय स्थलों के संचालन में किसी भी तरह की लापरवाही, उदासीनता या अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों की जिम्मेदारी तय करते हुए गौशालाओं में स्वच्छता, गोवंश के समुचित रख–रखाव, चारा–पानी और शीतलहर से बचाव के इंतजाम सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए गए हैं।

छेड़खानी की प्राथमिकी दर्ज कराना पड़ा भारी, आरोपी ने घर में घुसकर युवती और परिजनों को चाकू से गोदा



संवाददाता–बहराइच। छेड़खानी और परेशान करने की प्राथमिकी दर्ज कराने की रंजिश में एक युवक ने शनिवार देर रात युवती के घर में घुसकर चाकू से हमला कर दिया। हमले में प्राथमिकी दर्ज कराने वाली युवती, उसकी मां और नानी गंभीर रूप से घायल हो गईं। तीनों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। युवती की हालत गंभीर बनी हुई है। वारदात के बाद आरोपी मौके से भाग गया। पुलिस उसकी तलाश में जुटी है। घटना शहर के दरगाह थाना क्षेत्र में शनिवार रात करीब 11 बजे हुई। बताया जाता है कि छह साल पहले इलाके के रहने वाले अजलान के खिलाफ युवती ने छेड़खानी और परेशान करने की प्राथमिकी दर्ज कराई थी। इस मामले में आरोपी जेल भी गया था। जमानत पर छूटने के बाद वह बाहर चला गया था।

शनिवार देर रात आरोपी युवती के घर पहुंचा। उसने आवाज बदलकर दरवाजा खटखटाया। छोटी बहन ने दरवाजा खोला तो आरोपी उसे धक्का देकर घर में घुस गया। इसके बाद उसने युवती पर चाकू से हमला कर दिया। उसे बचाने दौड़ी मां और नानी को भी चाकू मारकर घायल कर दिया। चीख–पुकार सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक आरोपी भाग चुका था।

सीओ सिटी नारायण दत्त मिश्रा ने बताया कि आरोपी के खिलाफ छह साल पहले छेड़खानी और पॉक्सो एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज हुई थी। देर रात उसने घर में घुसकर युवती और उसके परिजनों पर हमला किया है। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम गठित कर दी गई है और उसकी तलाश की जा रही है।

चार महिलाओं पर चाकू से हमला करने वाला आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता–बहराइच। दरगाह शरीफ थाना क्षेत्र में शनिवार रात घर में घुसकर चार महिलाओं पर चाकू से हमला किया गया। पुलिस ने घटना के 12 घंटे के भीतर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। उसके पास से हमले में इस्तेमाल किया गया चाकू भी मिला। पुलिस के मुताबिक, 14–15 नवंबर की रात एक युवक ने पहले दर्ज छेड़खानी और पॉक्सो एक्ट के मुकदमे से नाराज होकर एक युवती, उसकी अमरीन और दो अन्य महिलाओं पर चाकू से हमला किया। घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को इलाज के लिए जिला अस्पताल भेजा। पीड़ित पक्ष की शिकायत पर केस दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू की गई। पुलिस अधीक्षक विश्वजीत श्रीवास्तव ने आरोपी को जल्द पकड़ने के लिए तीन पुलिस टीमें बनाईं। अपर पुलिस अधीक्षक नगर आयुष विक्रम सिंह और क्षेत्राधिकारी नगर नारायण दत्त मिश्र की निगरानी में थानाध्यक्ष अमितेन्द्र सिंह के नेतृत्व वाली टीम ने कार्रवाई की। पुलिस ने रविवार सुबह करीब 11 बजे अरजान कुरैशी (23) को गिरफ्तार किया। वह अब्दुल कलाम कुरैशी उर्फ मुन्ना का बेटा और बीबी जोहरा बाग, थाना दरगाह शरीफ का निवासी है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ दर्ज केस में आर्म्स एक्ट की धारा 4ध्25 भी जोड़ी। उसे कानूनी कार्रवाई के लिए न्यायालय भेजा गया। पुलिस के मुताबिक, आरोपी का पहले भी आपराधिक रिकॉर्ड रहा है। वर्ष 2020 में उसके खिलाफ छेड़छाड़, मारपीट और पॉक्सो एक्ट के तहत केस दर्ज हुआ था। बहराइच के दरगाह शरीफ थाना क्षेत्र में शनिवार रात घर में घुसकर चार महिलाओं पर चाकू से हमला किया गया। पुलिस ने घटना के 12 घंटे के भीतर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

व्रतियों ने डूबते सूर्य को अर्घ्य दिया, लोकगीत गाए



संवाददाता–कुशीनगर। लोक आस्था के चार दिवसीय महापर्व छठ के तीसरे दिन रविवार को भानपुर में अस्ताचलगामी सूर्य को पहला अर्घ्य पूरी श्रद्धा, निष्ठा और हर्षोल्लास के साथ दिया गया। यहाँ के विभिन्न घाटों और जलाशयों पर हजारों की संख्या में पहुंचे व्रतियों और स्थानीय लोगों ने पवि

भानपुर के मुख्य घाटों और तालाबों के तटों पर दोपहर ढलते ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ एकत्र हो गई। पूरा घाट परिसर रंग–बिरंगे पारंपरिक वस्त्रों, सूप, दउरा और मौसमी फलों से सजी जीवंत झांकी में तब्दील हो गया। महिलाओं ने पारंपरिक लोकगीत 'केलवा के पात पर उगलन सुरुज मल झुके–झुकवं. ..' और 'मारबो रे सुगवा धनुष से... ' गाकर पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया। संध्या बेला में जैसे ही भगवान भास्कर पश्चिम दिशा की ओर अग्रसर हुए, व्रतियों ने पानी में खड़े होकर हाथ जोड़कर डूबते सूर्य को प्रणाम किया। इसके बाद दूध और जल से अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया गया। संतान की लंबी उम्र, अच्छे स्वास्थ्य, परिवार की सुख–समृद्धि और लोक कल्याण की कामना के साथ व्रतियों ने घाट पर ही छठी मईया की कथा सुनी और एक–दूसरे को प्रसाद वितरित किया। इस दौरान पर्व को शांतिपूर्ण और सुरक्षित संपन्न कराने के लिए स्थानीय स्वयंसेवी युवाओं और गणमान्य नागरिकों ने घाटों की साफ–सफाई, प्रकाश व्यवस्था और भीड़ प्रबंधन में सराहनीय सहयोग दिया। पर्व के चौथे और अंतिम दिन सोमवार, 16 नवंबर की सुबह उदीयमान (उगते) सूर्य को अर्घ्य देने के साथ ही 36 घंटे का यह कठिन निर्जला अनुष्ठान पूर्ण होगा। इसके बाद व्रती महिलाएं पारण कर अपना व्रत संपन्न करेंगी। इस अवसर पर पूरे भानपुर में उत्सव का माहौल है और हर तरफ 'छठी मईया की जय' के जयकारे गूंज रहे हैं।

पत्नी से झगड़े के बाद ठेकेदार ने की आत्महत्या लाइसेंसी हथियार से मार ली गोली



संवाददाता–गोरखपुर। यूपी के गोरखपुर में एक युवक ने अपनी पत्नी से विवाद के बाद आत्महत्या कर ली। बताया जा रहा है कि रामगढ़ताल इलाके में शनिवार देर रात पत्नी से विवाद के बाद एक ठेकेदार ने खुद को गोली मारकर जान दे दी। घटना की जानकारी होने पर परिवार में चीख–पुकार मच गई। पुलिस को भी घटना की जानकारी दी गई। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। मृतक की पहचान अजीत सिंह के रूप में हुई है।

पुलिस के मुताबिक, शनिवार देर रात अजीत सिंह का किसी बात को लेकर पत्नी से विवाद हुआ था। इसके बाद उन्होंने खुद को गोली मार ली। गोली चलने की आवाज सुनकर परिजन मौके पर पहुंचे तो वह खून से लथपथ पड़े थे। आनन–फानन में उन्हें अस्पताल ले जाने की तैयारी की गई, लेकिन उनकी मौत हो चुकी थी। इस घटना के बाद पुलिस को मामले की जानकारी दी गई। पुलिस ने मौक पर पहुंचकर शव को कब्जे में ले लिया। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। मौके से मृतक का लाइसेंसी असलहा कब्जे में ले लिया है। फोरेंसिक टीम ने भी घटनास्थल की जांच कर जरूरी साक्ष्य जुटाए। पुलिस परिजनों से पूछताछ कर रही है। एसपी सिटी निमिष पाटील का कहना है कि घटना के सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस का कहना है कि मामला घरेलू विवाद का है। मामले में शुरुआती जानकारी के अनुसार पति और पत्नी के बीच किसी बात पर झगड़ा हुआ था। दोनों के बीच झगड़ा किस बात को लेकर हुआ इसकी अभी जानकारी नहीं हो पाई है। परिजनों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं। पोस्टमार्टम के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया जाएगा। परिवार में मौत के बाद से ही कोहराम है। पड़ोसियों ने भी जानकारी दी है कि गोली की आवाज के बाद उन्हें घटना की जानकारी हुई है। पुलिस का कहना है कि मौके से असलहा कब्जे में ले लिया गया है। हथियार लाइसेंसी था। मृतक ने हथियार का लाइसेंस लिया हुआ था। पुलिस ने हथियार कब्जे में ले लिया है।

रास्ते में भैंस बांधने को लेकर दो पक्षों में खूनी संघर्ष,आठ घायल



संवाददाता–अम्बेडकरनगर। सम्मनपुर थाना क्षेत्र के मछली गांव में आबादी की भूमि पर रास्ते में भैंस बांधने को लेकर रविवार सुबह दो पक्षों के बीच जमकर मारपीट हो गई। विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों ओर से लाठी डंडे और फावड़े चलने लगे। खूनी संघर्ष में दोनों पक्षों के आठ लोग घायल हो गए। गंभीर रूप से घायल एक व्यक्ति को प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने हायर सेंटर रेफर कर दिया। मछली गांव निवासी रविंद्र यादव और सुभाषचंद्र यादव के बीच आबादी की भूमि को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा है। आरोप है कि सुभाषचंद्र विवादित भूमि पर रास्ते में भैंस बांधते हैं। रविवार सुबह रविंद्र पक्ष ने इसका विरोध करते हुए भूमि पर अपना दावा जताया। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों में कहासुनी शुरू हो गई, जो देखते ही देखते मारपीट में बदल गई। दोनों तरफ से जुटे लोगों ने एक दूसरे पर लाठी डंडों और फावड़े से हमला कर दिया। मारपीट में रविंद्र, जितेंद्र, योगेंद्र और रामजीत घायल हो गए। वहीं दूसरे पक्ष से सुभाषचंद्र यादव, रमेश, सौम्या और हरिश्चंद्र को चोटें आईं। रामजीत की हालत गंभीर होने पर उसे हायर सेंटर रेफर किया गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने स्थिति संभाली और सभी घायलों को मेडिकल परीक्षण व उपचार के लिए भेजा। थानाध्यक्ष अभिषेक त्रिपाठी ने बताया कि दोनों पक्षों की तरफ से तहरीर मिली है। मामले की जांच कर आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है।

एक हजार मेहमान करेंगे राम–जानकी रेल सेवा का स्वागत, अयोध्या धाम स्टेशन पर होगा समारोह

संवाददाता–अयोध्या। अयोध्या से नेपाल के जनकपुरधाम तक प्रस्तावित राम–जानकी रेल सेवा की शुरुआत 23 नवंबर को होगी। इस अवसर पर अयोध्या धाम रेलवे स्टेशन पर भव्य समारोह आयोजित किया जाएगा, जिसमें करीब एक हजार मेहमान शामिल होंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और नेपाल के प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह दिल्ली से वर्चुअल माध्यम से ट्रेन को हरी झंडी दिखाएंगे। समारोह में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक के अलावा सांसद, विधायक, महापौर और रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी शामिल होंगे। साधु–संतों, स्कूली विद्यार्थियों और गणमान्य नागरिकों को भी आमंत्रित किया गया है। पूर्व सांसद लल्लू सिंह ने अयोध्या से जनकपुर के बीच रेल सेवा शुरू कराने के लिए कई बार रेल मंत्री से मुलाकात कर मांग उठाई थी। स्टेशन प्रबंधक महेंद्र नाथ मिश्रा ने बताया कि करीब 464 किलोमीटर लंबा रेल मार्ग अयोध्या से बिहार के रास्ते जयनगर होते हुए नेपाल के जनकपुरधाम तक पहुंचेगा। रेल सेवा शुरू होने से अयोध्या में रामलला के दर्शन करने आने वाले नेपाली श्रद्धालुओं और जनकपुरधाम जाने वाले भारतीय यात्रियों को आवागमन का नया विकल्प मिलेगा। रेलवे सूत्रों के अनुसार, अयोध्या जनकपुर रेल सेवा सप्ताह में एक दिन संचालित करने की तैयारी है। इसके तहत ट्रेन एक फेरा लगाएगी। यात्रियों की संख्या और मांग को देखते हुए भविष्य में फेरों की संख्या बढ़ाई जा सकती है।



इस रेल संपर्क से दोनों देशों के श्रद्धालुओं को सड़क मार्ग के लंबे सफर से राहत मिलने की उम्मीद है नेपाल जाने वाले यात्रियों के दस्तावेजों और सामान की जांच जयनगर में निर्धारित प्रक्रिया के तहत होगी। यहां सीमा पार करने से जुड़ी कस्टम और सुरक्षा संबंधी औपचारिकताएं पूरी कराई जाएंगी। दोनों देशों की सुरक्षा एजेंसियां अपने–अपने क्षेत्र में निगरानी करेंगी। नेपाल से भारत लौटने वाले यात्रियों को भी निर्धारित जांच प्रक्रिया से गुजरना होगा। टिकट बुकिंग आईआरसीटीसी के माध्यम से किए जाने का प्रस्ताव है।

हवा को स्वच्छ रखने के लिए दौड़े, पराली न जलाने की अपील

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। पराली जलाने के खिलाफ जन जागरण का सिलसिला तेज हो गया है। इसी क्रम में कटेहरी में पर्यावरण संरक्षण का संदेश देने के लिए मैराथन का आयोजन किया गया। पूर्व सांसद व भाजपा नेता रितेश पांडेय की पहल पर चलाए जा रहे पराली नहीं जलाएंगे, प्रदूषण से मुक्ति पाएंगे अभियान के दूसरे चरण के तहत आयोजित इस दौड़ में बड़ी संख्या में बालक और बालिकाओं ने भाग लेकर स्वच्छ हवा का संकल्प लिया। घ्वीराधन की शुरुआत देव इंद्रावती महाविद्यालय से हुई, जहां से उत्साह से भरे प्रतिभागियों ने निर्धारित मार्ग पर दौड़ लगाते हुए अहिरौली थाने के निकट अपनी यात्रा का समापन किया। इस पूरी प्रतियोगिता में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले शीर्ष 20 धावकों को मेडल और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया, जिसमें बालक वर्ग में हिमांशु ने प्रथम, अंकित पांडेय ने द्वितीय और विशाल मौर्य ने तृतीय स्थान प्राप्त किया, वहीं बालिका वर्ग में रेनू प्रजापति ने बाजी मारते हुए पहला स्थान हासिल किया, जबकि आशू दूसरे और शालू तीसरे स्थान पर रहीं। ध्कार्यक्रम के दौरान पूर्व सांसद रितेश पांडेय ने कहा कि पराली जलाने की गंभीर समस्या से निपटने के लिए किसानों और आमजन को जागरूक करना सबसे जरूरी है तथा फसल अवशेषों को आग के हवाले करने के बजाय उनके उचित प्रबंधन के विकल्पों को अपनाया जाना चाहिए, जिसमें युवाओं और महिलाओं की भागीदारी अत्यंत महत्वपूर्ण है। कटेहरी विधायक धर्मराज निषाद ने भी विचार रखते हुए कहा कि एक स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण के लिए हमें पराली जलाने से बचना ही होगा।

कुदरहा में धूमधाम से मनाया गया सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती



– भूमि मिला तो विधान सभा चुनाव के पहले बनेगा सरदार पटेल की भव्य प्रतिमा– दूधराम

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

कुदरहा (बस्ती।) अखिल भारतीय कुर्मी महासभा के तत्वाधान में कुदरहा कस्बे में लौह पुरुष सरदार बल्लभ भाई पटेल की 151वीं जयंती धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि महादेवा विधायक दूधराम ने सरदार वल्लभभाई पटेल के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलित कर किया। मुख्य अतिथि महादेवा विधायक दूधराम ने कहा कि पटेल जी के आदर्शों को हम सभी को अपने जीवन में अपनाना चाहिए। वे देश की एकता, अखंडता और राष्ट्र सेवा के प्रति समर्पण का प्रेरणा स्रोत थे। अखंड भारत के निर्माण में इन्होंने ऐतिहासिक भूमिका निभाई। विधायक ने कहा कि यदि आप सब जमीन मुहैया कराए तो हम पटेल जी की प्रतिमा विधानसभा चुनाव के पहले बनाकर देंगे। कार्यक्रम का संचालन रामलौट चौधरी ने किया। कार्यक्रम में अखिल भारतीय कुर्मी महासभा के प्रदेश उपाध्यक्ष बृजेश चौधरी, जिलाध्यक्ष रमेश चौधरी, वीरेंद्र पटेल, सुनील सिंह, सुशील दुबे, गुलाम मोहम्मद, पवन चौधरी, किशन लाल चौधरी ने भी संबोधित किया। सभा में हरिश्चंद्र चौधरी, रामपाल चौधरी, रिंकू चौधरी, रमेश चौधरी, रामलौट, पप्पू चौधरी, अंगद चौहान, बृजमोहन दुबे, संतोष, प्रत्युष, अंश कुमार, कल्पनाथ चौधरी, महेंद्र चौधरी, राजमती चौधरी मौजूद रहे।

घर से 15 लाख रुपये की नकदी और जेवरात चोरी, छठ पर्व मनाने गांव गया था पूरा परिवार



संवाददाता–गोरखपुर। रामगढ़ताल थाना क्षेत्र में एक बड़ी चोरी की घटना सामने आई है। अज्ञात चोरों ने एक घर से 15 लाख रुपये नकद और 400 ग्राम सोने के जेवरात उड़ा लिए। चोरी गए जेवरात की कीमत करीब 55 से 60 लाख रुपये बताई जा रही है।

यह घटना शनिवार की रात जंगल अयोध्या प्रसाद के निकट पांडेय कालोनी स्थित शकुंतला निवास में हुई। चोरों ने अलमारी और तिजोरी का ताला तोड़कर वारदात को अंजाम दिया। बेलघाट थाना क्षेत्र के डकई निवासी सूरज पांडेय और विपुल पांडेय इस मकान में अपने परिवार के साथ रहते हैं। वे राधेश्याम पांडेय के पुत्र हैं। घटना के समय सूरज पांडेय अपने परिवार के साथ छठ पर्व मनाने गांव गए हुए थे। शनिवार शाम करीब 6 बजे वे गांव के लिए निकले थे। रविवार सुबह करीब 7 बजे सूरज पांडेय को मोबाइल पर घटना की जानकारी मिली। उन्होंने तत्काल 112 पर पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची रामगढ़ताल पुलिस जांच पड़ताल में जुट गई है। डॉग स्क्वाड ने भी घटनास्थल पर खोजबीन की। सूरज पांडेय और विपुल पांडेय रामगढ़ताल थाना क्षेत्र के पांडेय टोला निकट जंगल अयोध्या प्रसाद के पास मकान बनवाकर रहते हैं। विपुल दुबई में एक कारोबार चलाते हैं। सूरज पांडेय ने बताया कि कैंपियरगंज में उनकी शराब की दो दुकानें हैं। परिवार छठ पर्व मनाने के लिए गांव गया हुआ था। इसी दौरान चोरों ने उनके घर को निशाना बनाया।

चोरों ने अलमारी और लॉकर तोड़कर लगभग 15 लाख रुपये नकद चुराए। इसके साथ ही 400 ग्राम सोने के जेवरात भी ले गए। इन जेवरात की कीमत लगभग 55 से 60 लाख रुपये आंकी गई है। परिजनों की सूचना पर रामगढ़ताल पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और जांच शुरू की। डॉग स्क्वाड टीम ने भी चोरी के सुराग खोजने का प्रयास किया। पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है।

चाचा–भतीजे की गोली मारकर हत्याः परिवार के 4 गंभीर घायल, गुस्साए लोगों ने दबंगों की 2 बाइकें फूंकी

संवाददाता–संतकबीरनगर। रविवार शाम चाचा–भतीजे की गोली मारकर हत्या कर दी गई। दबंगों ने खेत में गेहूं की बोआई कर रहे परिवार पर बंदूक और लाठी–डंडों से हमला कर दिया। फायरिंग में गोली लगने से चाचा–भतीजे की मौत हो गई, जबकि चार लोग घायल हो गए।

गुस्साए लोगों ने हमलावरों की दो बाइकें फूंक दीं। घायलों की गंभीर हालत देखते हुए उन्हें गोरखपुर के बीआरडी मेडिकल कॉलेज भेजा गया। वारदात शाम करीब 4 बजे की है। घटना के बाद डीएम अनुज मलिक और एसपी संदीप कुमार मीना मौके पर पहुंचे और परिजनों से जानकारी ली। वहीं, परिवार में दो लोगों की हत्या से महिलाओं का रो–रोकर बुरा हाल है। गांव में तनाव का माहौल है। गांव में 50 से अधिक पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है। पोस्टमार्टम हाउस पर भी करीब 50 पुलिसकर्मी मौजूद हैं। घटना जिला मुख्यालय से करीब 30 किमी दूर मेंहदावल थाना क्षेत्र के जमोहरा गांव की है।



मृतक परिवार के एक व्यक्ति की हालत गंभीर है। उसे गोरखपुर के बीआरडी मेडिकल कॉलेज भेजा गया। मृतक परिवार के एक व्यक्ति की हालत गंभीर है। उसे गोरखपुर के बीआरडी मेडिकल कॉलेज भेजा गया। जमोहरा गांव निवासी रामकेश यादव हैदराबाद में मेहनत–मजदूरी करते थे। वह दो महीने पहले ही गांव लौटे थे। रामकेश और मुरली यादव के बीच पुरानी रंजिश है। दोनों परिवारों के बीच 2019 से वर्चस्व को लेकर विवाद चल रहा है। दोनों के घरों के बीच करीब 300 मीटर की दूरी है।

रामकेश के भाई श्रीकेश ने बताया– करीब दो महीने पहले मुरली ने रामकेश की पिटाई की थी। इस मामले में रामकेश ने जानलेवा हमले का आरोप लगाते हुए मुकदमा दर्ज कराया था। रामकेश रोज पुलिस को फोन करके बताता था कि आरोपी घर पर ही मौजूद हैं, लेकिन उनकी गिरफ्तारी नहीं हुई। उन्होंने बताया– रविवार शाम करीब 4 बजे रामकेश के साथ हम सभी खेत में गेहूं की बोआई कर रहे थे। चाचा प्रहलाद ट्रैक्टर से खेत की जुताई कर रहे थे। इसी दौरान मुरली यादव अपने परिवार के अजय, आकाश, गोरख और दिनेश समेत छह से अधिक लोगों के साथ खेत पर पहुंचा। उन्होंने गाली देते हुए ताबड़तोड़ फायरिंग की और लाठी–डंडों से हमला कर दिया। श्रीकेश ने बताया, मुरली और उसके साथियों ने खेत में पहुंचते ही हमला कर दिया और फायरिंग शुरू कर दी। हमारे भाई रामकेश, चाचा प्रहलाद और घनश्याम को गोली लगी। इसमें रामकेश और प्रहलाद की मौत हो गई। घनश्याम को गोरखपुर मेडिकल कॉलेज ले जाया गया है। इसके अलावा तीन अन्य लोग भी घायल हैं, जो मेंहदावल अस्पताल में भर्ती हैं। श्रीकेश का दावा है कि आरोपी पिछले चार साल में कम से कम 12–14 लोगों की हत्या कर चुके हैं। उन्होंने कहा, दो साल पहले उन्होंने मुझे भी पीटा था। मुझे मरा हुआ समझकर खेत में ही छोड़कर चले गए थे। वे लोग बाजार जाते समय रास्ते में जिसे अकेला पाते हैं, उसे मारते हैं। कोई खेत में काम करने जाता है तो उसे भी अकेला पाकर पीट देते हैं। हमारे पास करीब 14–15 बीघा खेत है। वे लोग अक्सर घर पर चढ़कर मारपीट करते थे।

पीडीए फार्मूला ध्वस्त, आरक्षण और दलित महापुरुषों के अपमान पर पार्टी का रवैया ठीक नहीं रहा –ओमप्रकाश राजभर



संवाददाता–अम्बेडकरनगर। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के प्रमुख और कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने रविवार को समाजवादी पार्टी, कांग्रेस और विपक्षी गठबंधन पर निशाना साधा। मेरठ में सपा के प्रस्तावित दलित सम्मेलन पर राजभर ने कहा कि सपा शासनकाल में दलितों का सबसे ज्यादा नुकसान हुआ। उन्होंने आरोप लगाया कि दलित महापुरुषों के अपमान और प्रमोशन में आरक्षण खत्म करने जैसे मुद्दों पर सपा का रवैया ठीक नहीं रहा। राजभर ने आजम खान की ओर से बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर को भूमाफिया बताने के मामले में अखिलेश यादव की चुप्पी पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि गेस्ट हाउस कांड और आरक्षण के मुद्दों के बाद सपा किस आधार पर दलितों से वोट मांग रही है। असदुद्दीन ओवैसी के पीडीए को पलट गए अखिलेश बताने पर राजभर ने सहमति जताई। उन्होंने कहा कि दलित वर्ग चंद्रशेखर आजाद और अल्पसंख्यक वर्ग के लोग ओवैसी के साथ जा रहे हैं। ऐसे में अखिलेश यादव के पास केवल पी यानी पिछड़ा वर्ग ही बचा है।

रेलवे स्टेशनों पर छठ पूजा के गीत बजाने को विपक्ष द्वारा धार्मिक ड्रामा बताए जाने पर राजभर ने कहा कि विपक्ष के पास कोई काम नहीं बचा है। त्योहार के मौके पर उसी पर्व के गीत बजाए जाएंगे। सोहर की परंपरा का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि छठ पर छठ के गीत ही गाए जाएंगे। सपा नेता एसपी सिंह पटेल के कांग्रेस को 50 सीटों के लायक नहीं बताए जाने पर राजभर ने पलटवार किया। उन्होंने चुनौती दी कि यदि पटेल में दम है तो अखिलेश यादव से पटेल समाज के व्यक्ति को मुख्यमंत्री बनाने की मांग करें।

चंद्रशेखर आजाद और ओवैसी के गठबंधन पर उन्होंने कहा कि दोनों नेता समझदार हैं और जानते हैं कि उनकी सरकार नहीं बनने वाली। कांग्रेस और सपा के बीच सीट बंटवारे पर राजभर ने दावा किया कि कांग्रेस 180 से 181 सीटों की मांग कर रही है, जबकि उसके पास केवल दो विधायक हैं।

उन्होंने कहा कि सपा कांग्रेस को इतनी सीटें नहीं देगी। राजभर ने यह भी दावा किया कि कांग्रेस ओवैसी और चंद्रशेखर के गठबंधन में शामिल होने की तैयारी कर सकती है। उनके मुताबिक, अखिलेश यादव भी चाहते हैं कि कांग्रेस अलग हो जाए, जिससे सपा अकेले चुनाव लड़े और प्रदेश में भाजपा की सरकार बनने का रास्ता साफ हो।

घाटों पर उमड़ी आस्था, छठी मैया के जयकारों से गूंजे सरोवर व घाट



संवाददाता–अम्बेडकरनगर। लोक आस्था के महापर्व छठ के तीसरे दिन रविवार को जिले के विभिन्न नदी घाटों और सरोवरों पर आस्था का जनसैलाब उमड़ पड़ा। जिला मुख्यालय स्थित नगर के तमसा मार्ग घाट समेत जनपद के अन्य प्रमुख घाटों और मार्गों पर दोपहर बाद से ही श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया था, जो शाम होते होते विशाल मेले में तब्दील हो गया। बड़ी संख्या में व्रती महिलाओं ने घुटने भर पानी में खड़े होकर छठी मैया की विधि विधान से आराधना की और अस्ताचलगामी सूर्य को पहला अर्घ्य अर्पित कर परिवार की सुख समृद्धि व संतान के दीर्घायु होने की कामना की। इस दौरान घाटों पर बज रहे छठ के पारंपरिक लोकगीतों और श्रद्धालुओं के जयकारों से पूरा वातावरण भक्ति के रंग में सराबोर नजर आया। इससे पहले महिलाओं ने भक्ति गीतों के बीच घाटों पर पहुंची। वहां न सिर्फ पूजन अर्चन किया वरन छठी मईया के चरणों में शीश नवाकर सुख समृद्धि की कामना की। व्रती महिलाओं के साथ उनके पति व अन्य परिवारीजन भी घाट पर पहुंचे और सहयोग किया। दोपहर से ही सिर पर पूजा की दउरी और सूप रखकर नंगे पांव घाटों की ओर जाते श्रद्धालुओं के जत्थों से शहर की सड़कें गुलजार रहीं। इस दौरान महिलाएं कांच ही बांस के बहंगिया... और उग हे सुरुज देव... जैसे पारंपरिक छठ गीत गाती हुई चल रही थीं। घाटों पर पहुंचने के बाद वेदियों के समक्ष धूप दीप जलाकर सामूहिक रूप से की गई आराधना और जयकारों ने पूरे जिले के माहौल को आध्यात्मिक बना दिया। जयकारों से घाट समय समय पर गुंजायमान होते रहे। इससे पहले सुबह ही नगर पालिका द्वारा नगर के तमसा घाट पर बने पक्का घाट पर स्वच्छ जल भरा गया। नगर पालिका के कर्मियों ने यहां सभी व्यवस्थाओं को पहले ही दुरुस्त कर लिया था। जिससे यहां आकर अर्घ्य देने वाली महिलाओं को किसी भी प्रकार की कोई दिक्कत नहीं हुई।

श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए जिला और पुलिस प्रशासन की ओर से सुरक्षा के बेहद कड़े इंतजाम किए गए थे। सभी प्रमुख घाटों पर चप्पे चप्पे पर पुलिस बल और महिला सिपाहियों की तैनाती रही, ताकि किसी भी तरह की अव्यवस्था या अप्रिय घटना से निपटा जा सके। इसके साथ ही बड़े और अधिक भीड़भाड़ वाले घाटों पर किसी भी आकस्मिक स्थिति से बचाव के लिए स्थानीय नाविकों, गोताखोरों और स्टीमर की भी मुकम्मल व्यवस्था की गई थी।

छठ पूजा के अवसर पर घाटों की भव्य सजावट और जगमगाती रोशनी के बीच युवाओं और परिवारों में खासा उत्साह देखने को मिला। अर्घ्य देने और पूजन अर्चन के बाद घाटों पर सेल्फी लेने का भी जमकर दौर चला। रंग बिरंगे पारंपरिक परिधानों में सजे धजे श्रद्धालु अपने परिजनों और दोस्तों के साथ इस यादगार पल को मोबाइल के कैमरे में कैद करते नजर आए, जिससे घाटों पर उत्सव जैसा माहौल बना रहा। घाटों की ओर जाने वाले प्रमुख मार्गों, विशेषकर तमसा मार्ग पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को नियंत्रित करने के लिए यातायात पुलिस ने विशेष रूट डायवर्जन लागू किया था। बड़े वाहनों का प्रवेश वर्जित रहने से पैदल चल रहे व्रतियों और उनके परिजनों को घाटों तक पहुंचने में काफी सहूलियत मिली। नगर पालिका की ओर से भी घाटों पर साफ सफाई, प्रकाश और पेयजल के इंतजाम किए गए थे।

रामायण मेला आकर भी राम मंदिर से दूरी रखते थे मुलायम सिंह, अब अखिलेश बदलने जा रहे हैं कहानी

संवाददाता–अयोध्या। अयोध्या की सियासत में एक ऐसा अध्याय जुड़ने जा रहा है, जिसके पीछे तीन दशक से अधिक पुराना इतिहास है। जिस अयोध्या में कभी मुलायम सिंह यादव रामायण मेले के मंच से धार्मिक–सांस्कृतिक आयोजनों में अपनी मौजूदगी दर्ज कराते थे, उसी अयोध्या में उनके मुख्यमंत्रित्वकाल में राम मंदिर आंदोलन के कारसेवकों पर गोलियां चली थीं। अब उसी राजनीतिक विरासत के साथ आगे बढ़ रहे उनके बेटे और सपा प्रमुख अखिलेश यादव रामलला के दरबार में मत्था टेकने आ रहे हैं। 12 दिसंबर को पत्नी एवं मैनपुरी सांसद डिंपल यादव के साथ उनका अयोध्या आगमन प्रस्तावित है। वह पहले हनुमानगढ़ी में दर्शन करेंगे और फिर रामलला के दर्शन करने के साथ साधु–संतों से आशीर्वाद लेंगे। पिता ने अयोध्या में रामायण मेले के मंच को अपनी मौजूदगी से जोड़ा, लेकिन राम मंदिर आंदोलन के सबसे निर्णायक दौर में उनका रुख कारसेवकों के खिलाफ रहा। अब उनके पुत्र उसी राम मंदिर में दर्शन करने जा रहे हैं, जिसे लेकर समाजवादी राजनीति और भाजपा के बीच दशकों से वैचारिक संघर्ष चलता रहा है। मुलायम सिंह यादव का अयोध्या से रिश्ता केवल 1990 के गोलीकांड तक सीमित नहीं था। अयोध्या में 1982 से शुरू हुए रामायण मेले को उन्होंने भी संरक्षण दिया। 1989 के बाद जब–जब वह सत्ता में रहे, रामायण मेले में उनकी व्यक्तिगत मौजूदगी भी चर्चा में रही। 2006 में मुख्यमंत्री रहते उन्होंने मेले का उद्घाटन भी किया था। मुलायम रामायण मेले के मंच पर श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास के साथ भी दिखाई देते थे। 22 जनवरी 2024 को राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के लिए अखिलेश यादव को भी निमंत्रण मिला था, लेकिन वह समारोह में शामिल नहीं हुए। उस समय उन्होंने कहा था कि राम के बुलावे पर जाएंगे, किसी के कहने पर नहीं। विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना के नेतृत्व में कैबिनेट का एक दल अयोध्या पहुंचा था, लेकिन सपा प्रमुख उसमें शामिल नहीं हुए थे। आठ अक्तूबर 2026 को वह अयोध्या में भागवत कथा में शामिल होने आए थे, लेकिन रामलला के दर्शन नहीं किए थे।

अयोध्या से अखिलेश यादव का भी पुराना राजनीतिक जुड़ाव है। 25 फरवरी 2022 को विधानसभा चुनाव के दौरान उन्होंने राम की पैड़ी से विजय यात्रा निकाली थी। उदय चौराहे से नया घाट तक रोड शो में बड़ी संख्या में समर्थक जुटे थे। नया घाट पर साधु–संतों की अगुवाई में उनका स्वागत हुआ था। इसके बाद करीब आठ किलोमीटर की यात्रा लगभग तीन घंटे में पूरी कर वह गांधी मैदान, फैजाबाद पहुंचे थे। इस दौरान हनुमानगढ़ी में उन्होंने गदा भी उठाई थी। हालांकि तब उन्होंने रामलला के दरबार में हाजिरी नहीं लगाई थी।

दैनिक भारतीय बस्ती
संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया कामप्लेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्मुखी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट
अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच, कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो0 9336715406, 8400925463
ई.मेल bhartiyabasti@gmail.com
dainikbhartiyabasti@gmail.com